सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

वर्ष- 14 अंक - 278 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 21 जुलाई 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास - खबर

महिलाओं को नग्न कर घुमाने वाले चार आरोपी पकड़ाए, सभी को भेजा जेल

इंफाल(एजेंसी)। महिलाओं को नग्न करके घुमाने के मामले में अब तक पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मुख्य आरोपी भी पुलिस की हिरासत में है। आरोपी की पहचान 32 वर्षीय हुइरेम हेरोदास मैतेई के रूप हुई है जो पेची अवांग लीकाई का रहने वाला है। फुटेल और पूछताछ के आधार पर पुलिस अन्य आरोपियों की पहनचान करने और उन्हें गिरफ्तार करने की कोशिश में जुटी है। पुलिस ने चारों आरोपियों को पूछताछ करने के बाद जेल भेज दिया है। पूछताछ के आधार पर अब कई अन्य आरोपियों की शिनाख्त जारी है।

मणिपुर पुलिस के एक अफसर ने बताया कि भीड़ अधिक थी। ऐसे में सभी को पकड़ना मुश्किल है। उन लोगों की तलाश की जा रही है जो इस भीड़ का नेतृत्व कर रहे थे और जिन लोगों ने महिलाओं के साथ गलत किया। ऐसे आरोपियों को तलाशने के लिए सर्च अभियान शुरू हो चुका है। चूंकि इस वक्त जातीय हिंसा अधिक है, इसलिए बहुत संभलकर पुलिस एक-एक कदम रखने की कोशिश कर रही है। उन्होंने ये भी बताया कि हम चाहते हैं कि जो आरोपी पकड़े जाएं, उनके खिलाफ पर्याप्त सबूत और साक्ष्य भी हमारे पास रहे। ताकि उन्हें सख्त से सख्त सजा दिलाई जा सके।

बंगाल की तर्ज पर आक्रामक चुनाव लड़ने के मूड में भाजपा, शाह का निर्देश- ढूंढो कांग्रेस की कमजोरियां

कांग्रेस को हराना भाजपा के लिए नहीं होगा आसान, शाह को दी गई खुफिया रिपोर्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भाजपा नेतृत्व को यह आभास हो गया है कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को हराना आसान नहीं होगा। इसलिए पार्टी ने अपनी रणनीति में व्यापक स्तर पर बदलाव करने की सोची है। चुनाव की पूरी कमान गृहमंत्री अमित शाह ने अपने हाथों में ले ली है और वे यहां की प्रत्येक गतिविधि पर नजर बनाए हुए हैं। राज्य के जिम्मेदार नेताओं को स्पष्ट हिदायत दी गई है कि यदि कांग्रेस को हराना है तो उसकी कमजोरियां ढूंढी जाए। इन्हीं कमजोरियों के हिसाब से भाजपा फौरी रणनीति बनाएगी। राज्य में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए पार्टी पश्चिम बंगाल की तर्ज पर आक्रामक चुनाव लड़ने के मूड़ में है।

वर्षांत में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा शीर्ष नेतृत्व ने रणनीति में बदलाव किया है। 5 राज्यों मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तेलंगाना और मिजोरम में विधानसभा के चुनाव होने हैं। इनमें से भाजपा का फोकस मुख्य रूप से मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान पर है। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह चाहते हैं कि इन तीनों राज्यों में भाजपा की सरकार बने। इनमें से सिर्फ मध्यप्रदेश में ही भाजपा सत्तारूढ़ है। जबकि कांग्रेस देश में सिर्फ दो ही राज्यों छत्तीसगगढ़ और राजस्थान में काबिज है। पीएम मोदी पूर्व में कांग्रेस-मुक्त भारत का नारा दे चुके हैं। अब शाह इसी नारे को धरातल पर साकार करने में जुटे हैं। छत्तीसगढ़ के कई दौरे करने के बाद भाजपा शीर्ष नेतृत्व को यह समझ आ गया है कि यहां कांग्रेस को हराकर सत्ता हथियाना आसान नहीं होगा। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने यहां कांग्रेस की जड़ों को जमकर न केवल सींचा है अपितु भीतर तक गहरा और मजबूत भी किया है। इसलिए अब भाजपा नेतृत्व को अपनी रणनीति में बदलाव करना पड़ा है। अभी कुछ समय पहले तक प्रदेश संगठन के भरोसे बैठे केन्द्रीय नेतृत्व ने राज्य के सारे तंत्र अपने हाथों में ले लिए हैं। जानकारों के मुताबिक, प्रदेश संगठन से लेकर स्थानीय मुद्दों तक के फैसले दिल्ली से लिए जा रहे हैं। हाल में गठित चुनाव घोषणा-पत्र समिति को भी फ्री हैंड नहीं दिया गया है। इस समिति को सिर्फ मुद्दों और भावी घोषणाओं को शीर्ष संगठन तक पहुंचाना है। बाकी के फैसले वहीं से होंगे।

15 सीटों की रिपोर्ट पर बदली रणनीति

जानकारों के मुताबिक, राज्य के हालातों को लेकर अमित शाह के पास कई तरह की सर्वे की रिपोर्ट पहुंची थी। इन सभी रिपोर्टों में भाजपा को 14-15 सीटें पर सिमटते बताया गया था। इसी के बाद पार्टी के शीर्ष नेतृत्व में नए सिरे से मंथन कर कांग्रेस की सरकार के खिलाफ न केवल व्यूह रचना की अपितु संगठन में कसावट और कार्यकर्ताओं में जोश भरने की रणनीति पर भी काम शुरू किया। फिलहाल जो खबरें आ रही है, उसके मुताबिक, पार्टी में अब सीटें बढ़ने की आस जगी है। अमित शाह की रणनीति फिलहाल सही रास्ते पर दिख रही है, लेकिन कांग्रेस की मजबूत कड़ी को हल्का करने में वे कितना कामयाब होंगे, ये आने वाला समय ही बताएगा।

कमजोरियां ढूंढो, आक्रमण करो

छत्तीसगढ़ के नेताओं को यह स्पष्ट कर दिया गया है कि प्रदेश की भूपेश बघेल सरकार को घेरना है तो उसकी कमजोरियों को सामने लाना होगा। अब स्थानीय नेतृत्व, भूपेश सरकार की कमजोरियों को ढूंढने में लगा है। यदि भाजपा को सरकार के कार्यों में त्रुटियां दिखती है तो उन त्रुटियों के हिसाब से तात्कालिक तौर पर रणनीति बनाई जाएगी। जानकारों के मुताबिक, शीर्ष नेतृत्व द्वारा चुनावी रणनीति में बदलाव करने से सकारात्मक नतीजे भी सामने आ रहे हैं। अमित शाह ने स्पष्ट कहा है कि सीएम भूपेश के कद को कम करके न आंका जाए। दरअसल, शाह तक यह रिपोर्ट पहुंचाई गई है कि छत्तीसगढ़ में भाजपा सीधे तौर पर कांग्रेस को चुनौती देने की स्थिति में नहीं है। इसलिए शुरुआत जमीनी स्तर से करनी होगी। इसे ध्यान में रखते हुए पार्टी को बदली हुई रणनीति के साथ मैदान में उतरना होगा।

शाह ने तैयार की बिसात

भाजपा की सत्ता में वापसी के लिए गृहमंत्री अमित शाह लगातार छत्तीसगढ़ के दौरे कर रहे हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ के भाजपा प्रभारी और सह प्रभारी को विधानसभा वार बैठक कर जानकारी इकट्ठा करने के काम पर लगा दिया है। पार्टी कांग्रेस की कमजोरियों की तलाश कर रही है। इस प्रक्रिया पर शाह खुद नजर रख रहे हैं। कांग्रेस से मिल रही गंभीर चुनौती को ध्यान में रखते हुए अमित शाह ने डी पुरंदेश्वरी की जगह अपने विश्वासपात्र ओम माथुर को प्रभारी बनाया। ओम माथुर को ही चुनाव का प्रभारी भी बनाया गया। इसके साथ ही भरोसेमंद नितिन नवीन और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया को बड़ी जिम्मेदारी दी है। अमित शाह सीधे इन तीनों से छत्तीसगढ़ की सारी एक्टिविटीज की जानकारी लेते हैं। जानकारों का कहना है कि शाह और पीएम मोदी के दौरों से जमीनी कार्यकर्ताओं में उत्साह आया है। राज्य के राजनीतिक हालात भी बदल रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कई दौरे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 26 जुलाई को रायगढ़ आ सकते हैं। इसके अलावा 1 अगस्त को बस्तर के जगदलपुर आने की संभावना है। हालांकि अभी पीएमओ से तारीख फाइनल नहीं हुई है। लेकिन दौरे की संभावना को देखते हुए प्रदेश भाजपा ने चुनावी सभा की तैयारी शुरू कर दी है। पीएम चुनावी सभा को संबोधित करेंगे। आने वाले दिनों में उनके सरगुजा समेत कई अन्य इलाकों में भी दौरे और रोड शो की बातें कही जा रही है। गौरतलब है कि पीएम मोदी ने बीते 7 जुलाई को छत्तीसगढ़ में आम सभा को संबोधित किया था। रायपुर के साइंस कॉलेज ग्राउंड में पीएम मोदी ने विजय संकल्प रैली के जरिए चुनावी शंखनाद किया था। पीएम को सुनने भारी बारिश में लोगों का हुजुम उमड़ा था। वहीं अब दूसरी बार पीएम मोदी अगस्त में छत्तीसगढ़ का रूख कर सकते हैं।

मणिपुर की घटना पर बरसे सीएम बघेल, कहा-

तीन माह से जल रहा प्रदेश क्यों नहीं हो रही कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान गुरुवार को मीडिया से चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल मणिपुर कांड पर बरस पड़े। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि मणिपुर में डबल इंजन की सरकार है तो कार्रवाई क्यों नहीं कर रहे। तीन माह से मणिपुर जल रहा है और प्रधानमंत्री कुछ नहीं कर पा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व गृहमंत्री अमित शाह चुनाव प्रचार में लगे रहे और मणिपुर में जल रहा ऐसे देश नहीं चलता।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मणिपुर की घटना से ध्यान भटकाने के लिए छत्तीसगढ़ को बदनाम करने का प्रयास कर रहे हैं। जो प्रदेश शांत है उसे मणिपुर से जोड़ा जा रहा है। मणिपुर की घटना को छिपाने के लिए छत्तीसगढ़ व राजस्थान का नाम जोड़कर बदनाम किया जा रहा है। सीएम बघेल ने कहा कि प्रधानमंत्री मीडिया के सामने झूठ बोल रहे हैं। सीएम बघेल ने पीएम मोदी को जुमलेबाजी बंद करने की सलाह भी दे डाली।

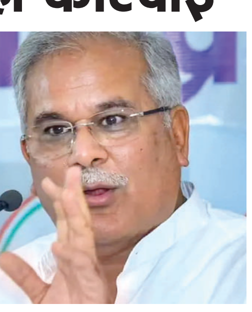

सीएम ने कहा कि मणिपुर की घटना अलग प्रकार की घटना है उसके साथ छत्तीसगढ़ को जोड़कर बदनाम कर चुनावी रोटी सेंकने का काम भाजपा के लोग कर रहे हैं। मणिपुर में जो हो रहा है उस पर प्रधानमंत्री को बोलना चाहिए लेकिन वे छत्तीसगढ़ को जोड़ रहे हैं। मणिपुर की घटना मानवता की आत्मा को झकझोर देने वाली घटना है। देश के प्रधान के रूप में जब ऐसी घटना पर एक मजबूत स्टैंड लेना चाहिए तब भी प्रधानमंत्री जी को चुनाव प्रचार दिखाई दे रहा है। यह बहुत दुर्भाग्यजनक है। छत्तीसगढ़ को बदनाम करने का कुत्सित प्रयास छत्तीसगढ़ की जनता बर्दाश्त नहीं करेगी।

जयपुर में आया भूकंप, तेज झटकों से हिला पूरा शहर

■ **सहमे लोग घरों से बाहर आए, जागकर कटी रात**

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में शुक्रवार तड़के आधे घंटे के भीतर भूकंप के तीन झटके महसूस किए गए। भूकंप इतना तेज था कि लोगों को विस्फोटक जैसी आवाज सुनाई दी। इसके बाद डरे सहमे लोग घरों और अपार्टमेंट्स से बाहर आ गए। इस दौरान कुछ लड़के गली में बैठकर हनुमान चालीसा का पाठ करते हुए दिखाई दिए। फिलहाल, भूकंप से किसी के हताहत होने या किसी तरह के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। बताया गया है कि सुबह 4:09 से 4:25 के बीच भूकंप के तीन झटके महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता 3.4 और 4.4 के बीच मापी गई। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने बताया कि राजस्थान के जयपुर में 4.4 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं।

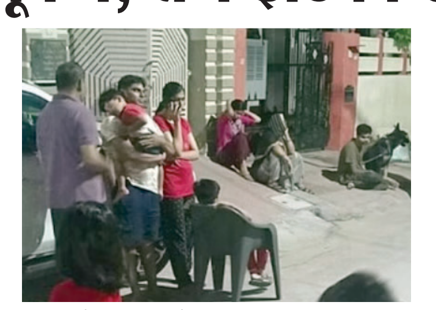

जानकारी के अनुसार, लगातार तीन बार भूकंप के झटके लगे। पहला झटका सुबह 4.09 बजे महसूस किया गया। इसके दूसरा झटका सुबह 4.23 बजे और तीसरा झटका सुबह 4.25 बजे पर आया। सड़कों पर लोग एक दूसरे का हाल चाल भी पूछते दिखे। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने ट्वीट किया कि जयपुर में तेज भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। उम्मीद करती हूं कि आप सभी सुरक्षित होंगे। वहीं, स्थानीय लोग सोशल मीडिया पर भूकंप आने का वीडियो भी साझा कर रहे हैं। जिसमें भूकंप के कारण कार हिलती दिख रही है। भूकंप इतना तेज था कि लोगों को विस्फोटक जैसी आवाज सुनाई दी।

ममता बनर्जी की सुरक्षा में चूक, हथियार के साथ सीएम आवास में घुसा संदिग्ध

कोलकाता। पश्चिम बंगाल से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। दरअसल राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सुरक्षा में चूक का मामला सामने आया है। पश्चिम बंगाल पुलिस ने सीएम के आवास की लेन में घुसने का प्रयास कर रहे एक व्यक्ति को दबोचा है। आरोपी से पास से हथियार भी बरामद हुआ है। आरोपी पुलिस का स्टीकर लगी गाड़ी से यात्रा कर रहा था। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ में जुटी है।

कोलकाता पुलिस आयुक्त विनीत गोयल ने बताया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के आवास की लेन में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे एक व्यक्ति को रोका, जिसकी पहचान शेख नूर आलम के रूप में हुई। तलाशी लेने पर शेख नूर आलम के पास से हथियार, एक चाकू और प्रतिबंधित पदार्थ के अलावा कई आईडी कार्ड बरामद किए गए हैं। आरोपी पुलिस का स्टीकर लगी गाड़ी से यात्रा कर रहा था।

लीज डीड की रजिस्ट्री पूरी तरह वैध, अधिकारी कर्मचारी को मिलेगा लोन

■ **प्रेस वार्ता में महापौर की मीडिया के सामने किया स्पष्ट, सभी सवालों के जवाब भी दिए**

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई महापौर नीरज पाल ने बीएसपी आवास के लीज डीड की रजिस्ट्री मामले को लेकर शुक्रवार प्रेस वार्ता ली। इस दौरान महापौर ने स्पष्ट शब्दों में मीडिया के सामने कहा कि बीएसपी क्षेत्र में रह रहे बीएसपी के कर्मचारी व भूतपूर्व कर्मचारियों को लीज डीड रजिस्ट्री का लाभ मिल रहा है, जो कि पूर्ण रूप से वैधानिक है। इस लीज डीड के रजिस्ट्री से बीएसपी के कर्मचारी व भूतपूर्व कर्मचारियों को रजिस्ट्री का लाभ मिलेगा। साथ ही उन्हें बैंक से लोन भी मिल सकेगा। उन्होंने आगे कहा कि भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव और कलेक्टर पुष्पेन्द्र मीणा के साथ इस विषय पर गहन विचार विमर्श करने के बाद रजिस्ट्री की प्रक्रिया को वैधानिक रूप से शुरू किया गया है। जिसका लाभ लेने के लिए बीएसपी के अधिकारी कर्मचारी आ रहे हैं और अपने आवास का रजिस्ट्रेशन करवा रहे हैं। हालांकि अभी भी कई लोग इसे लेकर सन्देह में है। उन्हें इसकी जानकारी अच्छे से नहीं है। इस लिए लोगों को इस विषय को समझने और मामले को क्लीयर करने के लिए आज वे प्रेस वार्ता ले रहे है ताकि मीडिया के माध्यम से हितग्राहियों को इसकी जानकारी पूरी तरह से मिल सके और वे इसका लाभ ले सके।

महापौर पाल ने आगे मीडिया से चर्चा के दौरान यह भी कहा कि कलेक्टर ने इस पूरी प्रक्रिया को वैधानिक बताया है। बैंक भी बीएसपी आवास में रहने वाले लोगों को लोन देने के लिए तैयार है लीज डीड रजिस्ट्री की प्रक्रिया जो सालों से रुकी हुई थी अब उनका नाम उन्हें मिलेगा और रही बात नियमितीकरण की तो प्लीज डिलीट रजिस्ट्री के बाद नियमितीकरण की प्रक्रिया पर आगे पहल की जाएगी। इस पर विधायक श्री देवेंद्र यादव जिला प्रशासन की ओर से स्वयं कलेक्टर श्री पुष्पेंद्र मीणा और बीएसपी के अधिकारियों के साथ आगे की योजना बनाई जा रही है ताकि अधिक से अधिक बीएसपी के अधिकारी व कर्मचारियों व भूतपूर्व अधिकारी कर्मचारियों को भी इसका लाभ दिया जा सके। लीज डीड की रजिस्ट्री करवाने के लिए लोग सालों से परेशान थे अब यह प्रक्रिया शुरू हो गई है तो लोगों में काफी हर्ष का माहौल है। लोग काफी उत्साहित भी हैं। हितग्राहियों को इसका लाभ लेने के लिए भटकना ना पड़े इसके लिए उन्होंने सेक्टर 5 में हेल्प डेस्क बनवाया है। जहाँ हितग्राहियों की पूरी मदद की जा रही है और यहीं से बड़ी आसानी से लोग अपनी रजिस्ट्री की प्रक्रिया को पूरा कर पा रहे है।

50 पैसे में उपचारित होगा टमाटर, रहेगा कई महीने

श्रीकंचनपथ

विज्ञान ने तरक्की तो बहुत की पर उसका लाभ निचले स्तर तक नहीं पहुंचा। यही वजह है कि तरह-तरह की टेक्नोलॉजी के आने के बाद भी सरकारें उसका जनहित में उपयोग नहीं कर पाईं। एक ऐसा ही क्षेत्र है कृषि। उन्नत कृषि से पैदावार तो बहुत है पर इन्हें आड़े वक्त के लिए संभाल कर रखना एक बड़ी चुनौती है। इसलिए कभी टमाटर की बंपर पैदावार के बाद उसे सड़कों पर फेंकना पड़ता है तो कभी वह मिडिल क्लास तक को आठ-आठ आंसू रुलाता है। केन्द्र सरकार ने इस गैप को भरने की कोशिश की है। भाभा एटोमिक रिसर्च सेंटर (बार्क) के सहयोग से वह ऐसे प्लांट लगा रही है जहां केवल 50 पैसे प्रति किलो खर्च पर टमाटरों को न केवल महीनों सुरक्षित रखा जा सकता है बल्कि उनका निर्यात भी किया जा सकता है। यह तकनीक अकेले टमाटरों पर नहीं बल्कि सभी प्रकार के फल और सब्जियों के प्रिजर्वेशन में काम आ सकती है। अहमदाबाद और बेंगलुरू के बाद छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के ग्राम मर्रा में यह प्लांट लगाया जा रहा है। इस जादुई प्लांट के लिए पांच एकड़ जमीन की जरूरत पड़ेगी। बार्क की इस तकनीक को अंडरग्राउंड फूड एरियेटर नाम दिया गया है। यह कोबाल्ट-60 गामा किरणों से फलों में मौजूद जल को वाष्पित कर देगा। फल और सब्जियों में फफूंद लगने या सड़न की प्रक्रिया को शुरू करने में इसी जल का बड़ा योगदान होता है। इस तरह से उपचारित फल एवं सब्जियों को इसके बाद सामान्य गोदामों में ही स्टोर किया जा सकेगा। छत्तीसगढ़ के लिये यह एक बड़ा वरदान साबित होगा। छत्तीसगढ़ तेजी से उद्यानिकी की ओर कदम बढ़ा रहा है। टमाटर का तो यह एक बड़ा उत्पादक है। सीजन में प्रतिदिन यहां 250 टन तक टमाटर खेतों से निकलता है। तब इसे मुफ्त बांटने की नौबत आ जाती है। उधर, जब इसका उत्पादन प्रभावित होता है तो इसकी कीमतें 100 रुपए प्रति किलो के पार चली जाती हैं। इस तकनीक से टमाटर को उपचारित करने के बाद उसके भंडारण का समय कुछ महीनों का हो जाएगा। इस तकनीक से उपचारित फल सब्जियों के स्वाद में कोई अंतर नहीं आएगा। उसकी ताजगी बनी रहेगी। मात्र 15 सेकंड तक रेडिएशन देने के बाद फल, सब्जियां, अनाज, मसाले और दुग्ध उत्पाद 6 से 8 महीने तक रखने लायक हो जाएंगे। इसके बाद उन्हें सामान्य परिवहन सेवाओं का उपयोग कर दूर-दराज के बाजारों तक भेजा जा सकता है। छत्तीसगढ़ के लिए यह और भी ज्यादा महत्वपूर्ण इसलिए है कि यहां 38 लाख कृषक परिवार हैं, जिनमें 80 प्रतिशत लघु और सीमांत श्रेणी के हैं। धान, सोयाबीन, उड़द, अरहर, चना, मक्का, मूंग, और तिवरा प्रमुख फसलें हैं। मिलेट्स की भी पैदावार और मांग बढ़ी है। इस तकनीक के आने के बाद उन्हें उत्पादों को स्थानीय बाजारों में खपाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। उनका हौसला बढ़ेगा और फसल चक्र परिवर्तन को गति मिलेगी।

संपादकीय

संसद से उम्मीद

गुरुवार को संसद के मानसून सत्र का आगाज हो गया और इसके साथ ही एक उम्मीद भी जगी है। संसद में मणिपुर मामले में हंगामा होना तय था और हुआ भी, लेकिन संसद सत्र शुरू होने से ठीक पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जो टिप्पणी आई है, उसका स्वागत किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने मणिपुर हिंसा और दो महिलाओं के साथ बर्बरता संबंधी वायरल वीडियो पर गहरा दुख जताया है। प्रधानमंत्री ने उचित ही कहा कि यह घटना किसी भी समाज के लिए शर्मनाक है। देश शर्मसार हुआ है। लगे हाथ उन्होंने राजस्थान और छत्तीसगढ़ का नाम लेते हुए तमाम राज्यों के मुख्यमंत्रियों से अपील की कि वे महिलाओं के साथ होने वाले अपराध के खिलाफकड़ी कार्रवाई करें। प्रधानमंत्री के बयान की बहुत सार्थकता है। वाकई किसी दोषी को बख्शा नहीं जाना चाहिए। विपक्षी दल इस पूरे मसले पर संसद में चर्चा चाहते हैं और इसमें कोई हर्ज नहीं है। पूर्वोत्तर की हिंसा पर संसद में अनेक बार चर्चा हुई है और उन चर्चाओं का जमीनी असर भी दिखा है। आज फिर चर्चा की जरूरत है। जाहिर है, आरोप दोहराए जाएंगे, हंगामा भी होगा, पर समाधान तक पहुंचने का यही संसदीय रास्ता है।

> इतना ही नहीं, किसी से आरक्षण साझा न करने का अलोकतांत्रिक दुर्व्यवहार भी बढ़ चला है और यहीं से शुरू होती है मणिपुर जैसी हिंसा। भारतीय संसद ने ही आरक्षण की व्यवस्था शुरू की थी और उसे ही भविष्य का इसका तार्किक प्रारूप भी तय करना है। निहित स्वार्थ की सियासत कम होगी, तभी आरक्षण की पहेली को हम शांति से सुलझा सकेंगे।

जब देश का कोई भी कोना अशांत हो, तब विपक्ष की भूमिका बढ़ जाती है। एकजुट विपक्ष मणिपुर हिंसा पर सरकार से जवाब मांग रहा है, तो आश्चर्य नहीं। किसी भी सत्ता पक्ष से विपक्ष की अपनी उम्मीदें होती हैं और तीखे अंदाज में विपक्ष हमलावर भी होता है। अब यह सत्ता पक्ष पर निर्भर है कि वह सुलह की राह पर चले या संघर्ष को बढ़ने दे। वैसे आज सबसे जरूरी है कि कानून की कड़ाई से पालना हो। यह अक्सर देखा जाने लगा है कि अनेक राजनीतिक दल अपने फायदे के लिए किसी उपद्रव को हवा देते हैं और प्रदेश-देश पर भी दुष्प्रभाव पड़ता है। राजनीति जनसेवा के लिए है और संसद उसका सर्वोच्च मंदिर है। आज मणिपुर पुकार रहा है, तो संसद को सम्मिलित स्वर में प्रतिउत्तर देना चाहिए। संसद का सकारात्मक भाव से चलना जरूरी है, ताकि यहां-वहां चल रहे नाना प्रकार के दुखद विमर्शों से अलग संविधान की रोशनी में यथोचित मंथन हो।

अब 17वीं लोकसभा अपने अंतिम चरण की ओर बढ़ रही है और देश जिस मोड़ पर है, उसमें संसद का सुखद हस्तक्षेप होना ही चाहिए। 17वीं लोकसभा में कोई आधिकारिक प्रतिपक्ष नहीं है, क्योंकि कोई भी विपक्षी पार्टी 10 प्रतिशत सीट नहीं ले पाई थी। इस नाते भी संसद को चलाना सत्तारूढ़ पार्टी की प्राथमिकता होनी चाहिए। दिल्ली शासन से जुड़े अध्यादेश का मामला भी मिलकर सुलझाना चाहिए। पूरी तरह से सोच-समझकर ही किसी परंपरा की शुरुआत करनी चाहिए, क्योंकि पार्टियां को कभी पक्ष में, तो कभी विपक्ष में बैठना पड़ता है। मणिपुर विवाद के अनेक पहलू हैं, इसका एक बुनियादी पहलू आरक्षण भी है। आरक्षण का विस्तार भी हो रहा है और विवाद भी बढ़ते चले जा रहे हैं। जो सवर्ण है, वह पिछड़ा वर्ग में, जो पिछड़ा वर्ग में है, वह अनुसूचित जाति में और जो अनुसूचित जाति में है, वह अनुसूचित जनजाति में जाना चाहता है। इतना ही नहीं, किसी से आरक्षण साझा न करने का अलोकतांत्रिक दुर्व्यवहार भी बढ़ चला है और यहीं से शुरू होती है मणिपुर जैसी हिंसा। भारतीय संसद ने ही आरक्षण की व्यवस्था शुरू की थी और उसे ही भविष्य का इसका तार्किक प्रारूप भी तय करना है। निहित स्वार्थ की सियासत कम होगी, तभी आरक्षण की पहेली को हम शांति से सुलझा सकेंगे।

क्या जिम्मेदारी बोझ है

आम तौर पर जिम्मेदारी का नाम लेते ही भारी-भरकम बोझ ढोने के रूप में अर्थ लगाने वाले लोग अधिक हैं। दरअसल, गलती से कर्तव्य समझने के कारण ही आपको जिम्मेदारी बोझ लगती है। बचपन से ही घर-कुनबे के बड़े-बुजुर्गों ने आपको 'कर्तव्य भावना' की घुट्टी पिलाई होगी। बेटे-बेटी को पढ़ाना-लिखाना पिता का कर्तव्य है। बुजुर्ग पिता की देखभाल पुत्र का दायित्व है। छात्र को शिक्षा देकर तैयार करना अध्यापक का कर्तव्य है। कानून का पालन करना नागरिकों का कर्तव्य है। सरहद पर खड़े होकर देश की रक्षा करना सेना का फर्ज है- कुछ इसी तरह की बातें बताते-सुनाते हुए उन्होंने कर्तव्य नामक शब्द को आपके अंदर गहराई से बोया होगा। याद रखिए, कर्तव्य मानकर आप जो भी काम करेंगे, उसमें आपको थकान ही महसूस होगी; रक्तचाप बढ़ेगा... इसलिए जिम्मेदारी को कार्य या कर्तव्य समझना छोड़ दीजिए। इसे चेतना के रूप में मानने का अभ्यास कीजिए। चाहे कोई काम हो, जब आप चेतना के स्तर पर किसी काम की जिम्मेदारी लेते हैं, तब आपके अंदर यह भावना जगती है- यह मेरा है। फिर वह बोझ नहीं लगता।

हुयदी नाम के एक जेन गुरु थे। वह अपने कंधे पर हमेशा एक बड़ी गठरी को ढोते चलते थे। गठरी के अंदर जाने क्या-क्या चीजें होंगी। गांवों से गुजरते हुए छोटे बच्चों को उसमें से मिठाइयां निकालकर बांटते थे। एक बार कोई अन्य जेन गुरु सामने से आ रहे थे। उन्होंने पूछा, 'जेन का मतलब क्या है?' हुयदी ने फौरन अपनी गठरी को नीचे डाला और तनकर खड़े हो गए। 'जेन का उद्देश्य क्या है?' अगला सवाल फूट पड़ा। हुयदी ने नीचे रखी गठरी को फिर से उठाकर कंधे पर रखा और चल दिए। उन्होंने संकेत से यही सुझाया कि गठरी को अपना न मानते हुए उसे नीचे डाल भी सकते हैं, और उसे खुशी-खुशी ढो भी सकते हैं।

जब आप महसूस करते हैं कि यह पृथ्वी मेरी है, तो इसे अपने सिर पर रख लेने पर भी उसमें भार अनुभव नहीं होगा, लेकिन इसके लिए मैं जिम्मेदार नहीं, यह सोचते हुए एक आलपिन भी हाथ में लेंगे, तो उसका वजन टनों में महसूस होगा। क्या यह ऐसी सच्चाई नहीं, जिसका अनुभव आप रोज करते हैं? जब आप महसूस करते हैं कि 'मैं जिम्मेदार हूं', तब आप अपनी जिंदगी को स्वेच्छापूर्वक उत्तर देते हैं। इसलिए स्वर्ग और नरक मृत्यु के बाद जाने की जगहें नहीं हैं। ये तो ऐसी संभावनाएं हैं, जिन्हें आप यहीं पैदा कर सकते हैं। चाहे वह आपका कार्यालय हो, घर हो, बाजार हो, विद्यालय हो, खेल का मैदान हो; आप कहीं भी रहें और परिवेश कैसा भी हो, अगर आप इच्छा से और पूर्ण रूप से उत्तर देना सीख गए, तो यह जिंदगी आपके लिए हमेशा स्वर्ग बनी रहेगी।

सद्गुरु जग्गी वासुदेव

शहर बाढ़ से कैसे बचें?

सवाल सिर्फ बाढ़ का पानी भरने का नहीं है, बल्कि हकीकत यह है कि भारी बारिश की स्थिति में भी महानगरों में बाढ़ जैसा नजारा पैदा होता रहा है। मुंबई, चेन्नई, बंगलुरू और अब दिल्ली में भी इस तरह की गंभीर समस्या खड़ी हो चुकी है।देश की राजधानी का बड़ा हिस्सा पिछले हफ्ते बाढ़ में डूब गया। बारिश हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में हुई, जिससे यमुना में पानी आया। उस पानी को हरियाणा में स्थित हथिनीकुंड बराज नहीं संभाल सकता था, तो उसे आगे यमुना में छोड़ दिया गया। नतीजा दिल्ली में ऐसा नजारा देखने को मिला, जो दशकों से कभी नहीं दिखा था। गौरतलब है कि बीते सप्ताह के अंत में मानसून की अत्यधिक भारी शुरुआत के कारण हिमाचल के कई जिलों में एक दिन में ही एक महीने के बराबर बारिश हुई। मौसम विभाग का कहना है कि आने वाले समय में भी और भारी बारिश होने का अनुमान है। आशंका जताई है कि ऐसा हुआ तो, इससे पूरे क्षेत्र में सड़कों पर पानी भर जाएगा, ट्रैफिक जाम होगा और बिजली कटौती हो सकती है।

> राज्य का इतिहास गवाह है कि महिलाएं राज्य में सांप्रदायिक विद्वेष की खाई को पाटने में अहम भूमिका निभा सकती हैं। दिल्ली में आई नई सजगता के बाद दलगत राजनीति और संकीर्ण मानसिकता से ऊपर उठकर पहल करना जरूरी हो गया है। जाहिर है, सबसे सही रास्ता यही है कि सरकार आगे बढ़कर सबका भरोसा हासिल करे।

मणिपुर में अब चले अमन-चैन की हवा

प्रभाकर मणि तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार

मणिपुर बीते 79 दिनों से जातीय हिंसा, आगजनी और सांप्रदायिक विद्वेष की एक ऐसी भूल-भुलैया में फंसा हुआ है, जिससे बाहर निकलने का रास्ता शायद किसी को नहीं सूझ रहा है। अब अचानक सुप्रीम कोर्ट का रुख तल्ख हुआ है और सरकारें भी नए सिरे से जागी हैं। निर्मम अत्याचार की एक घटना का वीडियो सामने आने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बयान खासतौर पर गौरतलब है, 'मणिपुर की बेटियों के साथ जो हुआ, उसे कभी माफ नहीं किया जा सकता। मणिपुर पर मेरा हृदय पीड़ा और क्रोध से भर गया है।'

बेशक, कुकी समुदाय की महिलाओं के साथ बर्बरता के इस शर्मनाक वीडियो ने साफ कर दिया है कि राज्य में सांप्रदायिक सद्भाव या सरकार नाम की कोई चीज शायद अब नहीं बची है। यह शर्मनाक वीडियो मणिपुर में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार और दो समुदायों के बीच बढ़ी अविश्वास की खाई का सबसे बड़ा सबूत है, जिसने देश को हिलाकर रख दिया। स्थानीय स्तर पर हुई लापरवाही का पर्दाफाश हो गया है।

देश के सर्वोच्च न्यायालय ने भी मणिपुर का संज्ञान लिया है, संसद में भी हंगामे की स्थिति बनी है और प्रधानमंत्री की भी टिप्पणी आई है, तो क्या अब निकलेगा समाधान? अब तक यही लग रहा था कि मणिपुर और उसके लोगों को उनके हाल पर छोड़ दिया गया है। चूंकि संसद के मानसून सत्र की शुरुआत हुई है, तो मणिपुर निस्संदेह चर्चा में रहेगा, पर जमीनी हकीकत यही है कि राज्य के बुद्धिजीवियों को भी निकट भविष्य में उम्मीद की कोई किरण नहीं नजर आ रही है।

दरअसल, मणिपुर हाल के वर्षों की ऐसी सबसे बड़ी स्टोरी है, जिसे मुख्यधारा के मीडिया और खासकर टीवी चैनलों में समुचित जगह नहीं मिल सकी है। वैसे यह उपेक्षा नई नहीं है, देश की आजादी के बाद से ही पूर्वोत्तर के राज्य खुद को अलग-थलग महसूस करते रहे हैं और इसी भावना ने इस इलाके में उग्रवाद की आग में घी डालने का काम किया है। मणिपुर के एक बुद्धिजीवी कहते हैं कि अगर मुख्यधारा का मीडिया शुरू से ही इस समस्या को तरजीह देता, तो एक महीने के अंदर केंद्र सरकार की ओर से समाधान की पहल करने का दबाव बढ़ता और शायद आज स्थिति कुछ अलग होती।

मणिपुर के वरिष्ठ पत्रकार के नाओबा कहते हैं कि इस अंधेरी सुरंग से बाहर निकलने का फिलहाल कोई रास्ता नहीं नजर आ रहा है। बाहर से जितना नजर आता है, जमीनी हालत उससे कहीं ज्यादा खराब है। अलग-अलग इलाकों में हत्या और आगजनी जस की तस जारी है। मणिपुर में मीडिया के कवरेज को लेकर भी शिकायत रही है। यही वजह है कि एडिटर्स गिल्ड मणिपुर, ऑल मणिपुर वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन और मणिपुर हिल जर्नलिस्ट यूनियन ने मौजूदा समस्या की कवरेज में संतुलित रवैया अपनाने की अपील की है। पत्रकारों से इस समस्या पर मैतेई बनाम गैर-मैतेई, हिंदू बनाम ईसाई या आदिवासी बनाम गैर-आदिवासी का ठप्पा लगाने से बचने को कहा गया है।

मणिपुर के एक बड़े बुद्धिजीवी नाम न छापने की शर्त पर कहते हैं कि लोगों को विश्वास था, राज्य के विकास की गति तेज होगी, पर हुआ ठीक उल्टा। मैतेई और कुकी तबके के लोगों के बीच आपसी अविश्वास की खाई अब इतनी चौड़ी हो चुकी है कि उसे पाटना बहुत मुश्किल होगा। मणिपुर में बड़े-बड़े बुद्धिजीवी भी खुलकर सामने आने से बच रहे हैं। दरअसल, राज्य में दोनों तबके के लोग पूरी तरह बंट चुके हैं। कर्मचारी हो, पुलिस हो या पत्रकार, सब अपने समुदाय को बेकसूर ठहराते हुए दूसरे तबके को दोषी ठहरा रहे हैं। हालत यह है कि इंफाल घाटी के लोग पर्वतीय इलाकों में जाने की हिम्मत नहीं जुटा सकते और पर्वतीय इलाकों के लोग सपने में भी घाटी की ओर जाने की कल्पना नहीं कर सकते। जब आईपीएस स्तर के पुलिस अधिकारियों, राज्य के मंत्रियों और विधायकों की यह स्थिति है, तो आम लोगों की हालत का अनुमान लगाना कोई मुश्किल नहीं है। मैतेई भाषा के एक कवि टी कुमार सिंह (बदला हुआ नाम) कहते हैं कि केंद्र और राज्य सरकार ने शुरुआती सक्रियता के बाद इस समस्या के प्रति एकदम चुप्पी साध ली है।

दूसरी ओर, कुकी तबके के एक युवक टी हाओकिप कहते हैं कि राज्य सरकार में चूंकि मैतेई तबके के लोगों का बोलबाला है, सरकार और प्रशासन भी खुलकर उनके साथ हैं। ऐसे में, उससे समस्या के समाधान की उम्मीद करना बेमानी है। अपनी दलीलों के समर्थन में वह 4 मई के शर्मनाक वीडियो की मिसाल देते हैं। उनका कहना है कि अभी तो राज्य में इंटरनेट पर पाबंदी है। एक बार इसके खत्म होने के बाद यहां से ऐसी-ऐसी लोमहर्षक तस्वीरें और वीडियो सामने आएंगे कि मानवता रो पड़ेगी।

आपसी अविश्वास की खाई इतनी चौड़ी हो चुकी है कि पर्वतीय इलाकों के लोग, जिनमें भाजपा के भी सात विधायक शामिल हैं, कुकी बहुल इलाकों के लिए यह कहते हुए अलग प्रशासन की मांग उठा चुके हैं कि अब उनका मैतेई लोगों के साथ रहना संभव नहीं है। पार्टी के विधायक लेटपाओ हाओकिप कहते हैं कि हम भूखे मर जाएंगे, पर घाटी में नहीं लौटेंगे। ऐसी स्थिति में भी मणिपुर के नेताओं को संसद और केंद्र सरकार उम्मीद है। लोगों की उम्मीदें संसद में इस पर होने वाली बहस पर भी टिकी है, उनको एक हल्की-सी उम्मीद है कि शायद इस बहस से आगे की कोई राह निकले। ज्यादातर लोग मानते हैं कि भारी तादाद में केंद्रीय बलों की तैनाती से समस्या सुधरने के बजाय और बिगड़ेगी। उनकी राय में सरकार को सामाजिक और महिला संगठनों को साथ लेकर समाधान की पहल करनी होगी।

मेघालय में काम करने वाली मणिपुर की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर संजुक्ता राजकुमारी ने हाल में एक पत्रिका में लिखा है कि शांति प्रक्रिया में महिला संगठनों को भी शामिल करना होगा। राज्य का इतिहास गवाह है कि महिलाएं राज्य में सांप्रदायिक विद्वेष की खाई को पाटने में अहम भूमिका निभा सकती हैं। दिल्ली में आई नई सजगता के बाद दलगत राजनीति और संकीर्ण मानसिकता से ऊपर उठकर पहल करना जरूरी हो गया है। जाहिर है, सबसे सही रास्ता यही है कि सरकार आगे बढ़कर सबका भरोसा हासिल करे।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लिए खींची जाए लक्ष्मण रेखा

प्रांजल शर्मा, डिजिटल नीति विशेषज्ञ

उद्योग, समाज और राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई) सबसे ताकतवर मंच के रूप में उभर रही है। पूरी दुनिया अब इसे कहीं ज्यादा महत्व देने लगी है। बेशक इस मेधा को दशकों पहले विकसित कर लिया गया था, मगर एक ताकतवर तकनीक के रूप में इसके उदय ने इस पर नियंत्रण को लेकर चौतरफा तनाव पैदा कर दिया है। अभी एआई को लेकर तीन तरह की जंग चल रही हैं। एक, जिसमें तकनीकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनियां इसे शक्तिशाली बनाने को लेकर आपस में उलझ रही हैं। दूसरी, एआई पर वैश्विक प्रभुत्व स्थापित करने के लिए देशों के बीच और तीसरी, विभिन्न सरकारों व संयुक्त राष्ट्र जैसी बहुपक्षीय एजेंसी के बीच जंग जारी है, जो नागरिक समाज और कमजोर समुदायों के हितों की रक्षा के लिए एआई के विकास को नियंत्रित करना चाहते हैं।

फिलहाल खबर माइक्रोसॉफ्ट और गूगल की है, जो एआई आधारित समाधान पेश करके प्रौद्योगिकी की दुनिया में बाजी मारना चाहती हैं। पिछले दिनों माइक्रोसॉफ्ट ने कहीं उन्नत एआई विकसित करने के लिए फेसबुक की मूल कंपनी मेटा के साथ साझेदारी की घोषणा की। अपने बयान में माइक्रोसॉफ्ट के कॉरपोरेट वाइस-प्रेसिडेंट ने कहा, 'मेटा और माइक्रोसॉफ्ट ने एज्योर और विंडोज पर बड़े भाषा मॉडल (एलएलएम) की लामा-2 को समर्थन देने की बात की है। लामा-2 को इस तरह डिजाइन किया गया है कि वह डेवलपर्स और संस्थाओं को एआई-संचालित टूल बनाने में सक्षम बनाता है।' एआई को लेकर विभिन्न कंपनियों में चल रही प्रतिस्पर्द्धा पर अमेरिकी पत्रिका बैरॉन्स ने भी एक रिपोर्ट प्रकाशित की है। अब तो मेटा व आईबीएम जैसी कंपनियां ऐसे एआई मॉडल की पेशकश करने लगी हैं, जिनकी मदद से कंपनियां अपने लिए सॉफ्टवेयर खुद विकसित कर सकती हैं। मेटा की तरह आईबीएम ने भी वाटसनएक्स लॉन्च किया है, जिसके माध्यम से उपभोक्ता

अलग-अलग कामों के लिए विकसित एआई मॉडल तक पहुंच सकते हैं। एप्पल भी एप्पल जीपीटी नामक अपना एआई मॉडल विकसित कर रहा है, जो ओपेनएआई की चैटजीपीटी और गूगल की बार्ड को टक्कर दे सकता है।

दूसरी जंग, अमेरिका और चीन जैसे देशों में चल रही है, जो यह सुनिश्चित करने को एक-दूसरे से मुकाबला कर रही हैं कि उनकी कंपनियां वैश्विक प्रभुत्व हासिल करें। एआई का उपयोग साइबर सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवा, रक्षा और करीब-करीब तमाम क्षेत्रों में किया जा सकता है। चूंकि इसकी कोई सीमा नहीं है, इसलिए सभी देशों में यह डर है कि उनके विरोधी उन पर हमला करने या फिर उनके व्यावसायिक हितों को नुकसान पहुंचाने के लिए इसका उपयोग कर सकते हैं। चीन पर अमेरिका और यूरोप में साइबर हमले करने का आरोप लगता भी रहा है। पश्चिमी कंपनियों की बौद्धिक संपदा चुराने के कई गंभीर आरोप भी उस पर हैं। पश्चिमी दुनिया चीन की इस तकनीकी ताकत से खौफजदा है और उसके मुकाबले के लिए ऐसा ही प्रयास खुद करना चाहती है।

तीसरी जंग, संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्था की है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने चेतावनी दी है कि आतंकी, आपराधिक या राष्ट्रों के निहित स्वार्थों के लिए एआई का इस्तेमाल जान-माल की व्यापक हानि का कारण बन सकता है। इसे विकसित करने वालों ने ही इससे मानव-अस्तित्व के खतरे में पड़ने का अंदेशा जाहिर किया है। मुल्कों और कंपनियों के बीच एआई को लेकर बढ़ रही टकराव को रोकने के लिए संयुक्त राष्ट्र ऐसी वैश्विक इकाई के गठन की हिमायत कर रहा है, जो इसे नियंत्रित करे और यह सुनिश्चित करे कि इसका इस्तेमाल व्यापक जनहित कामों में होगा। गुटेरस ने यह भी कहा है कि 2026 तक संयुक्त राष्ट्र को पूर्णत स्वचालित सामरिक हथियारों में एआई के उपयोग को प्रतिबंधित करने वाला समझौता तैयार करना चाहिए, जो कानूनन सभी के लिए बाध्य हो। जाहिर है, जैसे-जैसे एआई ताकतवर हो रही है, इसे नियंत्रित करने की चुनौती भी बढ़ रही है। ऐसे में, यह जरूरी है कि वैश्विक विकास व तरक्की में इसका इस्तेमाल सुनिश्चित करने के लिए विश्व के तमाम नेता एक साथ आएं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

सोनिया गांधी क्या सूत्रधार बनेंगी?

अजीत द्विवेदी

पटना में 23 जून को हुई विपक्षी पार्टियों की बैठक के बाद से देश की राजनीति में ऐसा क्या हुआ है, जिसकी वजह से विपक्षी पार्टियों की बेंगलुरू बैठक में पूरा फोकस सोनिया गांधी पर शिफ्ट हो गया है? पटना की बैठक में पूरा फोकस राहुल गांधी पर था। उनके विदेश में होने की वजह से पटना बैठक की तारीख टली थी। जब वे लौटे उसके बाद उनकी मौजदूगी में बैठक हुई। बैठक के बाद प्रेस कांफ्रेंस में राजद नेता लालू प्रसाद ने उनको शादी का जिक्र छेड़ कर एक तरह से उनको विपक्षी पार्टियों की बारात का दूल्हा बनाने का दांव भी चला। लेकिन उसके बाद जब बेंगलुरू की बैठक तय हुई तो सबसे ज्यादा चर्चा इस बात को लेकर हुई कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आठ नई पार्टियों को न्योता दिया है और दूसरी बात यह कि बैठक में सोनिया गांधी भी शामिल होंगी। सोनिया ने बैठक के पहले दिन यानी 17 जुलाई को विपक्षी नेताओं के लिए एक रात्रिभोज की मेजबानी भी की। कांग्रेस और विपक्ष की दूसरी पार्टियों में भी इस बात को लेकर उत्साह है कि सोनिया गांधी विपक्ष को एक करने के अभियान में सक्रिय हुई हैं। ध्यान रहे 2004 में विपक्ष को एकजुट करके यूपीए बनाने का प्रयोग सोनिया ने किया था इसलिए विपक्षी नेताओं की उम्मीद बढ़ी है कि इस बार भी वे ऐसा कर सकती हैं।

तभी सवाल है कि जो काम राहुल गांधी कर रहे थे उस काम में सोनिया गांधी को आगे आने की क्या जरूरत आन पड़ी? इसे समझने के लिए 23 जून के बाद के राजनीतिक घटनाक्रम को बारीकी से देखना होगा। सबसे बड़ा घटनाक्रम यह था कि शरद पवार की एनसीपी में टूट हो गई। उनके भतीजे अजित पवार उनसे अलग हो गए और राज्य की भाजपा-शिव सेना सरकार में उप मुख्यमंत्री बन गए। उनके साथ 30 से ज्यादा विधायक होने की बात कही जा रही है। यह अलग बहस का विषय है कि पार्टी में यह विभाजन शरद पवार के किसी लंबे खेल का हिस्सा है या सचमुच की परिघटना है। लेकिन जब एनसीपी टूटी तो कहा गया कि पार्टी के अनेक नेता इस बात से नाराज थे कि विपक्षी गठबंधन के नेता राहुल गांधी कैसे हो सकते हैं। वे नहीं चाहते कि शरद पवार जैसा बड़ा नेता राहुल के नेतृत्व में काम करे। इससे पहले कांग्रेस छोड़ने वाले तमाम नेताओं ने राहुल को निशाना बनाया था और मीडिया में यह नैरेटिव बना था कि हिमंत बिस्वा सरमा हों या ज्योतिरादित्य सिंधिया हों या गुलाम नबी आजाद, सबने राहुल के कारण कांग्रेस छोड़ी। अब सहयोगी पार्टियों में भी विभाजन के लिए राहुल को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। इसका मकसद राहुल के नेतृत्व और विपक्ष की राजनीति में उनकी ऑथोरिटी को कमजोर करके दिखाना है।

दूसरा घटनाक्रम यह हुआ कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने हैदराबाद जाकर भारत राष्ट्र समिति के अध्यक्ष और तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव से मुलाकात की। अखिलेश ने यह संदेश दिया कि वे भले पटना की बैठक में शामिल हुए लेकिन उन्होंने गैर कांग्रेस और गैर भाजपा तीसरे मोर्चे की संभावना को समाप्त नहीं किया है। तीसरा घटनाक्रम पश्चिम बंगाल में कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस का विवाद है। इन सबकी पृष्ठभूमि में देखें तो ऐसा प्रतीत होगा कि विपक्षी पार्टियों के कुछ मजबूत क्षत्रप नेता कांग्रेस के मौजूदा नेतृत्व के साथ बहुत सहज नहीं हैं। सोनिया गांधी ने इस बात को भांप लिया है और इसलिए उन्होंने आगे बढ़ कर विपक्षी एकता का सूत्रधार बनने की पहल की है। हालांकि उनकी सेहत को देखते हुए यह संभव नहीं है कि वे ज्यादा भागदौड़ कर सकें या हर छोटे बड़े पहलू पर नजर रखें। लेकिन इतना निश्चित है कि वे बेंगलुरू की बैठक में सभी विपक्षी पार्टियों के आहत अहम को संतुष्ट करने की कोशिश करें। उन्हें बताएं कि कांग्रेस राहुल का नेतृत्व उनके ऊपर नहीं थोप रही है। वे यह भरोसा भी दे सकती हैं कि विपक्षी नेताओं को अभी से नेतृत्व की चिंता करने की जरूरत नहीं है। आखिर कांग्रेस का इतिहास छोटी पार्टियों की सरकार बनवाने का रहा है। चंद्रशेखर से लेकर एचडी देवगौड़ा और आईके गुजराल तक इसकी मिसाल हैं।

इसमें संदेह नहीं है कि पिछले 20 साल में देश की राजनीति बहुत बदल गई है। नेता बदल गए हैं और नैरेटिव भी बदल गया है। लेकिन एक चीज ऐसी है, जो कभी नहीं बदलती है। वह हर नेता की सत्ता में आने की चाहना है। सो, कांग्रेस या राहुल गांधी से लगाव नहीं होने के बावजूद अगर विपक्षी नेताओं को लगता है कि उसकी धुरी पर एक साथ आकर भाजपा और नरेंद्र मोदी को चुनौती दी जा सकती है और सत्ता हासिल की जा सकती है तो वे अपने निजी अहम को थोड़े समय के लिए किनारे रख सकते हैं। सो, कांग्रेस के लिए जरूरी है कि वह विपक्षी नेताओं के बीच यह भरोसा बनवाए कि भले वह पहले से कमजोर हो गई है लेकिन अब भी भाजपा को चुनौती देने की वास्तविक ताकत उसी के पास है। सोनिया गांधी यह मैसेज बनवा सकती हैं। उन्होंने 2004 के लोकसभा चुनाव के बाद सिर्फ यूपीए नहीं बनवाई थी, बल्कि उससे पहले अजेय माने जा रहे अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार को हराया था। भाजपा को हरा कर कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनी थी तभी उसके नेतृत्व में यूपीए बना था। उसके बाद 2009 में जब लालकृष्ण आडवाणी को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बना कर भाजपा लड़ी थी तब कांग्रेस ज्यादा सीटों के साथ दोबारा सत्ता में लौटी थी। यानी सोनिया गांधी को भाजपा के दो सबसे बड़े नेता नेताओं- अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी दोनों को हराने का श्रेय हासिल है।

सोनिया गांधी के साथ 2004 में काम करने वाली टीम के कई सदस्य अब उनके साथ नहीं हैं। अहमद पटेल, माखनलाल फोतेदार, ऑस्कर फर्नांडीज जैसे कई नेताओं का निधन हो गया तो गुलाम नबी आजाद जैसे नेता पार्टी छोड़ गए। जनार्दन द्विवेदी ने अपने को सक्रिय राजनीति से दूर कर लिया है। इसके बावजूद कई पुराने नेता और क्षत्रप अब भी सोनिया के साथ हैं और उन्हें अपना सर्वोच्च नेता मानते हैं। मुकुल वासनिक, अंबिका सोनी, अशोक गहलोत, दिग्विजय सिंह जैसे कई नेता हैं, जिनको न सिर्फ कांग्रेस के संगठन की एक एक चीज पता है, बल्कि विपक्ष की सभी पार्टियों के नेताओं के साथ इनके बहुत अच्छे निजी संबंध हैं। अहमद पटेल का एक मिथक कांग्रेस के साथ बरसों से चिपका हुआ है लेकिन अगर मौका मिले तो दिग्विजय सिंह और कमलनाथ भी देश के किसी भी नेता, उद्योगपति, पत्रकार या अधिकारी से बातचीत कर सकते हैं।

दूसरी बात यह है कि अगर कांग्रेस के पुराने नेता तस्वीर से गायब हुए हैं तो दूसरी विपक्षी पार्टियों में भी ऐसा ही हुआ है। अब कांग्रेस को तमिलनाडु में करुणानिधि के साथ नहीं, बल्कि स्टालिन के साथ डील करना है, बिहार में लालू प्रसाद से नहीं, बल्कि तेजस्वी के साथ, उत्तर प्रदेश में मुलायम सिंह की बजाय अखिलेश यादव से, झारखंड में शिबू सोरेन की बजाय हेमंत सोरेन से और कम्युनिस्ट पार्टियों में हरकिशन सिंह सुरजीत और एबी बर्धन की बजाय सीताराम येचुरी और डी राजा से डील करना है। इनमें से कई नेता ऐसे हैं, जिनका राहुल गांधी के प्रति सद्भाव है और वे उनके साथ काम करने को राजी हैं।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
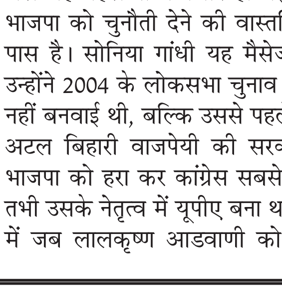
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओः शहर में निकली जनजागरूकता रैली

कोरबा। महिला एवं बाल विकास विभाग कोरबा के तत्वावधान में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत विगत दिवस जिला पंचायत कोरबा के प्रांगण से छतरी रैली निकाली गई। राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती अर्चना उपाध्याय, महापौर राजकिशोर प्रसाद, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शिवकला छत्रपाल कंवर एवं श्रीमती सपना चौहान द्वारा हरी झण्डी दिखा कर छतरी रैली को रवाना किया गया। जिला कार्यालय से शुरू हुई यह जनजागरूकता रैली शहर के मुख्यमार्ग कोसाबाड़ी चौक, सुभाष चौक, घण्टाघर होते हुए वापस जिला पंचायत प्रांगण में समाप्त हुई। रंग बिरंगी छतरी के साथ पैदल चलकर जनप्रतिनिधियों सहित महिला एवं बाल विकास विभाग के सभी अधिकारी-कर्मचारियों ने जनमानस को बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का संदेश दिया। छतरी रैली ने शहर के जनमानस में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ को लेकर एक अलग ही ऊर्जा का संचार कर दिया है। अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग ने बताया कि छतरी रैली से पूर्व जिला पंचायत सभाकक्ष में उन्मुखीकरण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी गजेन्द्र देव सिंह, समस्त परियोजना अधिकारी एवं पर्यवेक्षक उपस्थित थे। कार्यशाला में श्रीमती प्रीति खोखर चखियार द्वारा उपस्थित सभी विभागीय कर्मचारियों को बेटी बचाओं, बेटी पढ़ाओं कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी तथा कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन हेतु प्रेरित किया। गौरतलब है कि भारत सरकार के महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना की शुरूआत 22 जनवरी 2015 को हरियाणा के पानीपत से की गई है।

छोड़ो अपने सारे काम, पहले चलो करें मतदान

कोरबा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजीव कुमार झा, जिला स्वीप नोडल सीईओ जिला पंचायत विश्वदीप के निर्देशन में और उप निर्वाचन अधिकारी मनोज खांडे के मार्गदर्शन में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रजगामार में 17 से अधिक उम्र के बच्चों, उपस्थित पालको एवं विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं को मताधिकार और मतदान प्रक्रिया की संपूर्ण जानकारी दी गई। इस दौरान 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों द्वारा रजगामार कॉलोनी में क्रमबद्ध रैली निकालकर जागरूक एवं अच्छे मतदाता बनने के लिए अपनी भागीदारी अवश्य निभाने की अपील की गई। मतदाताओं से संकल्प के रूप में 'छोड़ो अपने सारे काम पहले चलो करें मतदान' यह भी नारा लगवाया गया। सभी ने कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। अंत में जिला स्वीप उप नोडल अधिकारी अनिल रात्रे ने उपस्थित मतदाताओं को अन्य मतदाताओं को भी जागरूक करते हुए सभी को मजबूत लोकतंत्र के निर्माण के लिए मतदान करने प्रेरित किया।

सरकारी अस्पतालों में बढ़ी स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता

पांच सालों में ही प्रदेश के 100 अस्पतालों को मिला राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण पत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के शासकीय अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में लगातार सुधार हो रहा है। उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवा और मरीजों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने वाले प्रदेश के 100 अस्पतालों को केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण पत्र प्रदान किया जा चुका है। पिछले पांच वर्षों में ही प्रदेश के इन अस्पतालों का भारत सरकार द्वारा गुणवत्ता सर्टिफिक्रेशन किया गया है।

इनमें बलरामपुर से लेकर सुकमा तक के जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और उप स्वास्थ्य केन्द्र शामिल हैं। राज्य के कई शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों को भी गुणवत्ता प्रमाण पत्र से नवाजा जा चुका है। उप मुख्यमंत्री तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री टी.एस. सिंहदेव के नेतृत्व में राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए लगातार नई पहल की जा रही है। अस्पतालों की अधोसंरचना मजबूत करने के साथ ही मेडिकल उपकरणों और पर्याप्त दवाईयों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है।

स्वास्थ्य विभाग एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत डॉक्टरों और अन्य मेडिकल स्टॉफ की लगातार भर्ती से पर्याप्त मानव संसाधन भी जुटाया जा रहा है। इनसे शासकीय अस्पतालों में लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं मिल रही हैं। स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता के मूल्यांकन के बाद केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने यहां के 100 अस्पतालों को एनक्यूएस प्रमाण पत्र प्रदान किया है। छत्तीसगढ़ में 1 अप्रैल 2018 तक राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण पत्र प्राप्त एक भी अस्पताल नहीं था।

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा वर्ष 2018-19 में पहली बार प्रदेश के छह अस्पतालों को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण पत्र प्रदान किया गया था। इसके बाद 2021-22 में 43 और 2022-23 में 36 अस्पतालों का सर्टिफिक्रेशन किया गया। चालू वित्तीय वर्ष 2023-24 में अब तक नौ अस्पतालों को यह प्रमाण पत्र प्राप्त हो चुका है। मुस्कान कार्यक्रम के अंतर्गत शिशु स्वास्थ्य संबंधी उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाओं के लिए भी राज्य के चार अस्पतालों को गुणवत्ता प्रमाण पत्र जारी किया है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक और मुस्कान कार्यक्रम के तहत सर्टिफिक्रेशन के पूर्व केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के विशेषज्ञों की टीम द्वारा अस्पताल की सेवाओं और संतुष्टि स्तर का विभिन्न मानकों पर परीक्षण किया जाता है। इनमें उपलब्ध सेवाएं, मरीजों के अधिकार, इनपुट, सपोर्ट सर्विसेस, क्लिनिकल सर्विसेस, इन्फेक्शन कंट्रोल, गुणवत्ता प्रबंधन और आउटकम जैसे पैरामीटर शामिल हैं। इन कड़े मानकों पर खरा उतरने वाले अस्पतालों को ही केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा गुणवत्ता प्रमाण-पत्र जारी किए जाते हैं।

विजय बघेल की हैसियत नहीं कि वो मुख्यमंत्री को चैलेंज करें -कांग्रेस

गेड़ी चढ़ने का चैलेंज रमन सिंह को वो क्यों चुप हैं?

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को गेड़ी दौड़ की चुनौती देने के पहले विजय बघेल अपनी राजनैतिक हैसियत को देखें, अभी वे इतने बड़े नहीं हुये है कि वे मुख्यमंत्री को चुनौती दें। गेड़ी चढ़ने की चुनौती रमन सिंह को दी गयी रमन सिंह इस चुनौती पर क्यों मौन हैं?

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि रमन सिंह घबराकर विजय बघेल को आगे कर रहे है। गेड़ी चढ़ना हो तो विजय बघेल, चुनाव जीतने मूंछ दाव में लगाना था तो कुंवर दिलीप सिंह जूदेव और 15 साल तक सत्ता की मलाई खाये डॉ. रमन सिंह और उनके परिजन। यही भाजपा का छत्तीसगढ़ियाँ विरोधी चरित्र है। 15 साल में कभी विजय बघेल को भी भाजपा कार्यालय में गेड़ी चढ़ते नही देखा, न गेड़ी दौड़ कराते सुना। विजय बघेल छत्तीसगढ़ियाँ है उन्हें छत्तीसगढ़ की संस्कृति, परंपरा, तीज-त्यौहार, रहन-सहन, खान-पान, बोली, भाषा का ज्ञान है। पर वो 15 साल के रमन सरकार के दौरान छत्तीसगढ़ संस्कृति को दोयम दर्जे से देखने पर मौन क्यो थे? विजय बघेल 15 साल कुर्सी दौड़ में लगे थे उन्हें कभी गेड़ी की याद नही आई ऐसा क्यो?

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि जो भाजपा के नेता कल तक कहते नहीं थकते थे कि वो छत्तीसगढ़ियावाद की बात नहीं करेंगे, वो आज अगर छत्तीसगढ़ियावाद की बात कर रहे, निभा रहे तो यह भूपेश सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि है, विजय बघेल को 15 साल के रमन सरकार के दौरान छत्तीसगढ़ियों के हुए तिरस्कार के लिए पहले माफी मांगना चाहिए।

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सरकार ने भाजपा नेताओं को गेड़ी चढ़ने, भंवरा चलाने, ठेठरी, खुरमी खाने और छत्तीसगढ़ महतारी की तस्वीर मोदी की सभा के पोस्टर में लगाने को मजबूर कर दिया। 15 साल के रमन सरकार के दौरान यह चीजें कहीं भी नजर नहीं आती थी बल्कि छत्तीसगढ़िया भाखा में बोलने और गले में गमछा डालने वालों को भाजपा के नेता तिरस्कार भरे नजरों से देखते थे।

पारंपरिक खेलों के प्रति सभी आयु वर्ग के प्रतिभागियों का बढ़ रहा रूझान

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। राजीव युवा मितान क्लब के माध्यम से 2023-24 के तहत छत्तीसगढ़िया ओलंपिक सीजन-2 का आयोजन सभी वार्डो में किया जा रहा है, जिसके तहत 17 जुलाई से 22 जुलाई तक क्लब लेवल की प्रतियोगिताएं चलाई जा रही है। इसी के तहत महापौर श्री राजकिशोर प्रसाद वार्ड क्र. 14 पम्प हाउस पानी टंकी मैदान में छत्तीसगढिया ओलंपिक खेलों के क्लब स्तरीय आयोजन में पहुंचे, जहाँ पहुंचकर महापौर ने विभिन्न खेलों के प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

वार्ड क्र. 14 पम्प हाउस पानी टंकी मैदान के पास छत्तीसगढ़िया ओलंपिक में गेढ़ी दौड़, रस्साकसी दौड़, भंवरा, बाटी आदि खेल विधाओं का आयोजन किया जा रहा है। उन्होने बताया कि हमारे प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं उनके मंत्रीमण्डल के सदस्यों को धन्यवाद दिया कि लुप्त हो रहे छत्तीसगढ़ के पारंपरिक खेलों को पुर्नजीवित कर उन सभी खेलों के खेल आयोजित किये जा रहे हैं। आज-कल जहाँ टी.व्ही., मोबाईल के रोजाना यूज से स्वास्थ्य एवं सामाजिक वातावतरण दूषित हो रहा है, वहीं इन खेलों के माध्यम से शारीरिक स्वास्थ्य व मन अच्छा रहता है, इन पारंपरिक खेलों के प्रति बच्चों का रूझान भी बढ़ा है।

महापौर प्रसाद ने बताया कि हमारे क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक एवं छ.ग.शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री श्री जयसिंह अग्रवाल ने सामाजिक क्षेत्रों के विकास के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य एवं खेलों के प्रति जागरूकता लाने हेतु खेल एकेडमी का शुभारंभ कराया, जिसमें क्षेत्रीय खेलों के साथ-साथ राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खेलों के खिलाड़ियों को एक अच्छा प्लेटफार्म तैयार होगा और एक खेल का हब तैयार होगा। उन्होने कहा कि हमारे क्षेत्र के उत्कृष्ट खेलों में रूचि रखने वाले खिलाड़ियों को एक अच्छा अवसर प्राप्त होगा। महापौर प्रसाद ने बताया कि राजीव युवा मितान क्लब के माध्यम से युवाओं में छत्तीसगढ़िया ओलंपिक खेलों के प्रति रूझान बढ़ा है।

एक और चिटफंड कंपनी की सम्पत्ति होगी कुर्क, जिला दण्डाधिकारी डॉ. भुरे ने जारी किया आदेश

वेल्थ क्रियेटर एण्ड रूचि रियल स्टेट कंपनी की बीरगांव स्थित सवा दो एकड़ जमीन की कुर्की होगी, निवेशकों को वापस मिलेगी राशि

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर चिटफंड कंपनियों के खिलाफकार्रवाई तेजी से जारी है। एक और चिटफंड कंपनी वेल्थ क्रियेटर एण्ड रूचि रियल स्टेट की रायपुर के बीरगांव स्थित लगभग सवा दो एकड़ जमीन की कुर्की का निर्देश जिला दण्डाधिकारी डॉ. सर्वेश्वर भुरे ने जारी किया है।

कंपनी के खिलाफ सम्पत्ति कुर्की का यह निर्देश छत्तीसगढ़ के निक्षेपकों के हितों का संरक्षण अधिनियम के प्रावधानों के तहत जारी किया गया है। चिटफंड कंपनी की संपत्ति के कुर्की से मिलने वाली राशि निवेशकों को लौटायी जाएगी। कंपनी के संबंध में निवेशकों द्वारा शिकायत दर्ज कराने पर पूरी जांच के बाद जिला दण्डाधिकारी द्वारा यह आदेश जारी किया गया है।

कंपनी वेल्थ क्रियेटर एण्ड रूचि रियल स्टेट द्वारा सुनियोजित ढंग से कूटरचित दस्तावेजों से आमजनता को अधिक ब्याज देने, कम समय में धन दोगुना करने का झांसा देकर कई लोक लुभावनी योजनाएं बताकर निवेशकों से कपटपूर्ण ढंग से राशि जमा करायी गई। निवेशकों द्वारा जमा करायी गई राशि परिपक्वता के बाद भुगतान नहीं करने, जमा की गई राशि को वापस नहीं करने और जमा राशि का ब्याज भी अदा नहीं कर धोखाधड़ी की गई। इस संबंध में निवेशकों द्वारा कंपनी संचालकों के विरूद्ध कोरबा कोतवाली थाने में अपराध पंजीबद्ध कराया गया था। जांच के दौरान पता चला कि कंपनी वेल्थ क्रियेटर एण्ड रूचि रियल स्टेट के द्वारा संचालकों के नाम से रायपुर जिले की धरसीवां तहसील के बीरगांव में पटवारी हल्का नं. 88 के तहत खसरा नं. 287/37, 287/665 कुल रकबा 0.897 हेक्टेयर (2.216 एकड़) भूमि क्रय की गई है।

शिकायत कर्ता निवेशकों ने इस जमीन को निवेशकों द्वारा जमा की गई राशि से क्रय करना और निवेशकों को उनकी राशि वापस नहीं कर धोखाधड़ी करना बताया। संपूर्ण प्रकरण में कंपनी के डायरेक्टर मौलीधर वीरम काकुलम आध्रप्रदेश, संजीव गुप्ता मोहन नगर दुर्ग, सुरेन्द्र सिंह अरोरा टी.पी. नगर कोरबा को नोटिस जारी कर पक्ष रखने का भी मौका दिया गया। प्रकरण की जांच के बाद पुलिस प्रतिवेदन के आधार पर कलेक्टर ने कंपनी और उसके संचालकों के नाम पर दर्ज धरसीवां तहसील के बीरगांव पटवारी हल्का नं. 88, राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर 17 के खसरा नं. 287/37 की व्यपवर्तित भूमि को कुर्क किए जाने का आदेश जारी किया है।

चेंबर ने प्रस्तावित होलसेल कॉरिडोर के लिए ली व्यापारिक संघों की बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तमचंद गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव,राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल ने बताया कि नया रायपुर में 1000 एकड़ में प्रस्तावित होलसेल कारिडोर के लिये लैंडयूज बदला जा चुका है।

होलसेल कारिडोर में स्थान लेने हेतु एनआरडीए द्वारा जारी प्रारूप के अनुसार व्यवसायिक संघों को आवेदन प्रस्तुत करने कहा गया है जिसके परिपेक्ष्य में आज चेंबर भवन में छत्तीसगढ़ चेंबर अध्यक्ष अमर पारवानी के नेतृत्व में प्रस्तावित, दक्षिण मध्य एशिया के सबसे बड़े होलसेल कॉरिडोर के लिए आवेदनकर्ता विभिन्न व्यापारिक संघों के प्रमुखों के साथ बैठक का आयोजन किया गया जिसमे चेंबर के पदाधिकारीगण सहित बड़ी संख्या में व्यापारीगण भी उपस्थित रहे।

चेंबर प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी द्वारा स्वीकृत इस महती योजना एवं चेंबर का विजन अब जल्द ही मूर्त रूप लेने तेजी से आगे बढ़ रही है। प्रस्तावित नए होलसेल कॉरिडोर की परिकल्पना से प्रदेश के समस्त व्यापारी भली भांति परिचित हैं। श्री पारवानी जी ने आगे बताया कि प्रस्तावित होलसेल कॉरिडोर को लेकर एनआरडीए ''नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण'' द्वारा व्यवसायिक संघों के लिए उनके आवश्यकताओं के अनुरूप एक प्रपत्र जारी किया गया है जिसे व्यापारिक संघों के प्रमुखों द्वारा, जिन्होंने होलसेल कॉरिडोर में स्थान पाने हेतु आवेदन दिया है, उन्हें उक्त प्रपत्र अनुसार आवेदन मांगा गया जिन्हें चेंबर द्वारा व्यवसायिक संघों के प्रमुखों से भरवाया गया तथा उपस्थित व्यापारियों एवं संघ प्रमुखों को इस विषय से संबंधित विभिन्न जानकारी दी गई।

बैठक में मनीष पल्लीवार जी द्वारा होलसेल कॉरिडोर मॉडल को प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रतुत किया। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित होलसेल कॉरिडोर उपरोक्त अंतर्राष्ट्रीय बाजारों जैसा विशाल और व्यवस्थित होगा। यह होलसेल कॉरिडोर स्वामी विवेकानंद अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट, अटल नगर (नया रायपुर) रेलवे स्टेशन निर्माणाधीन तथा भारत माला सड़क परियोजना एवं एनएच 30 के समीप होगा जो भौगोलिक रूप से हमारी सीमा से लगे उड़ीसा, महाराष्ट्र, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, आंध्रप्रदेश, मध्यप्रदेश और झारखंड की मांग की आपूर्ति कर सकेगा तथा प्रदेश के व्यापार को नई ऊंचाई, दिशा और गति देगा, साथ ही साथ संपूर्ण भारतवर्ष में छत्तीसगढ़ मॉडल के एक अनूठे और सबसे बड़े व्यवसाय क्षेत्र के रूप में जाना जाएगा। यह एक स्वकेंद्रित और सभी तरह के थोक व्यापार के लिए एक ही स्थान पर सर्वसुविधायुक्त परिसर होगा जो भविष्य में 50 से 100 वर्ष तक निर्बाध-निर्विघ्न व्यवस्था के अनुकूल होगा।

यह देश का प्रथम पर्यावरण संतुलित बाजार होगा जिसमें सोलर एनर्जी वाटर हार्वेस्टिंग, वॉटर रीसाइकलिंग तथा गार्बेज रिसाइकलिंग की भी व्यवस्था होगी तथा पर्यावरण संतुलन हेतु पूरे क्षेत्र में सघन वृक्षारोपण भी होगा। प्रस्तावित बाजार को विभिन्न सेक्टरों में वर्गीकृत किया गया है जिससे आगंतुक ग्राहकों को गंतव्य तक खरीदने में किसी प्रकार की समस्या ना हो, मूलभूत सुविधाएं जैसे पेट्रोल पम्प, बैंक, एटीएम, चिकित्सा सुविधा, अग्निशमन, शौचालय, हमालों के लिए विश्राम स्थल, खानपान के स्टाल, धर्म कांटा, ट्रकों एवं अन्य वाहनों के खड़े होने की व्यवस्था, पार्किंग व्यवस्था आदि का भी ध्यान रखा गया है।

रविवार को भी खुले रहेंगे चिन्हांकित डाकघर

रायपुर। भारतीय डाक विभाग द्वारा रायपुर डाक संभाग के चिन्हांकित डाकघरों में नये आधार कार्ड बनवाने और आधार कार्डों में त्रुटि सुधार और अद्यतनीकरण का कार्य किया जा रहा है । इसके लिए रविवार 23 जुलाई को सरकारी छुट्टी के दिन भी सवेरे 9 बजे से शाम 4 बजे तक संबंधित डाकघर खुले रहेंगे। रायपुर डाक संभाग के प्रवर अधीक्षक बी. एल. जांगड़े द्वारा आज यहाँ गंज स्थित अपने कार्यालय से जारी प्रेस -विज्ञप्ति के अनुसार सभी नागरिकों द्वारा 05 वर्ष एवं 15 वर्ष की आयु के पश्चात आधार में अनिवार्य रूप से बायोमेट्रिक अपडेशन कराया जाना आवश्यक है। इसी तरह नया आधार कार्ड बनवाने का कार्य चिन्हांकित डाकघरों में निःशुल्क किया जा रहा है। साथ ही आधार अपडेशन भी किया जाएगा।

ॐ साई राम
माँ पुस्तक भंडार

होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

CONTACT
Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

इंडिया रूरल कोलोक्वि में ग्रामीण गरीबी और असमानता की चुनौतियों पर कल होगा संवाद

रायपुर। नई दिल्ली की सामाजिक संस्थान टीआरआईएफ(ट्रान्सफॉर्मिंग रूरल इंडिया फाउंडेशन) और पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में इंडिया रूरल कोलोक्वि का आयोजन किया गया है। यहां देश में ग्रामीण गरीबी और असमानता की प्रमुख चुनौतियों पर संवाद होगा। इस परिचर्चा में राज्य के वरिष्ठ अधिकारी, समाजसेवक, उद्यमी एवं विभिन्न सामाजिक विकास के क्षेत्र विशेषज्ञ हिस्सा लेंगे और ग्रामीण गरीबी, असमानता एवं अन्य विसंगतियों के समाधान पर विचार-विमर्श करेंगे। कार्यक्रम का आयोजन 22 जुलाई, शनिवार को राजधानी रायपुर के होटल बेबीलॉन इंटरनेशनल में होगा। कार्यक्रम में पंचायत मंत्री रविंद्र चौबे, मुख्यमंत्री के सलाहकार प्रदीप शर्मा, राज्य योजना आयोग के उपाध्यक्ष अजय सिंह, कृषि उत्पादन आयुक्त सह सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के सचिव श्री आर. प्रसन्ना, संचालक पंचायत कार्तिकेय गोयल, मनरेगा आयुक्त रजत बंसल, राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन संचालक पद्मिनी भोई साहू, फिल्म अभिनेत्री एवं समाजसेवी सुश्री राजश्री देशपांडे, समाजसेवी डॉ. मंजीत कौर बल, हिंदुस्तान यूनीलिवर फाउंडेशन की सुश्री अनंतिका, वर्धा के मगन संग्रहालय की सुश्री विभा गुप्ता और टीआरआईएफके एमडी श्री अनिश कुमार शामिल होंगे।

जिला चिकित्सालय में आने वाले मरीजों को हर संभव सुविधा उपलब्ध कराएं : डॉ भुरे

रायपुर। कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे की अध्यक्षता में जिला अस्पताल पंडरी में जीवनदीप समिति की बैठक हुई। बैठक में जिले के स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न गतिविधियों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि जिला अस्पताल में आने वाले मरीजों के ईलाज में हर संभव सहयोग किया जाए। किसी मरीज को किसी टेस्ट की आवश्यकता होती है तो हमर लैब में उपलब्ध आधुनिक मशीनों की सहायता से निःशुल्क परीक्षण की सुविधा प्रदान करें। ईसीजी जैसे परीक्षणों के लिए मरीजों को सुविधा उपलब्ध कराएं। उन्होंने कालीबाड़ी जिला अस्पताल में मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए 25-30 बिस्तर बढ़ाने के निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ भुरे ने जिला अस्पताल पंडरी एवं कालीबाड़ी के ओपीडी की समीक्षा करते हुए मेडिकल बोर्ड और सीएस बोर्ड सर्टिफिकेट के प्रगति में कमी आने पर, नियमित बैठक बढ़ोत्तरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने फिजियोथैरेपी, ईएनटी, सीनियर सिटीजन डिपार्टमेंट की ओपीडी बढ़ाने कहां। कलेक्टर ने कहा कि अब दंतरोग चिकित्सक की संख्या बढाई गई है अतः डेन्टल प्रोसिजर में वृद्धि होनी चाहिए। डॉ भुरे ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत मिलने वाला प्रोत्साहन राशि जल्द वितरण करने के निर्देश दिए। डॉ भुरे ने मेजर ओटी में एक आपरेशन टेबल और एनीथीसिया मशीन प्रदाय करने के लिए शासन को प्रस्ताव बनाए कर भेजने के लिए सिविल सर्जन को निर्देशित किया। सोनोग्राफी कक्ष हेतु कम्प्यूटर सेट एवं कलर प्रिंटर, मेजर ओटी में अधिक क्षमता की नई एसी लगवाने और अन्य निर्णय हुए। डॉ मिथलेश चौधरी, जिला प्रबंधक मनीष मेजरवार, सिविल सर्जन डॉ संतोष भंडारी, हॉस्पिटल कंसलटेंट मिथलेश सोनबेर सहित अन्य चिकित्सक उपस्थित थे।

प्रदेश में दूर हुई वनरक्षकों की वेतन विसंगति कैबिनेट के निर्णय पर त्वरित अमल

रायपुर। प्रदेश के वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा वनरक्षक पद पर कार्यरत वनरक्षकों की वेतन विसंगति अब दूर कर ली गई है। विगत दिवस 06 जुलाई 2023 को आयोजित राज्य मंत्री मंडल की उक्त बैठक में लिए गए निर्णय अनुसार विभाग द्वारा तत्परता पूर्वक कार्य करते हुए इस आशय का निर्णय लिया गया। निर्णय के अनुसार वन विभाग में विभागीय सेटअप में स्वीकृति 26 मार्च 2003 के बाद नियुक्त किए गए सभी वनरक्षकों का वेतनमान 3050-4590 मान्य किया गया है।

मुख्यमंत्री का छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी संयुक्त मोर्चा ने जताया आभार

केंद्र के बराबर डीए और एचआरए सहित सभी फैसलों को बताया ऐतिहासिक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से आज यहां विधानसभा परिसर स्थित उनके कार्यालय कक्ष में छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी संयुक्त मोर्चा के प्रतिनिधि मंडल ने सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने कर्मचारी शासकीय कर्मचारियों के हित में लिए गए फैसले के लिए मुख्यमंत्री बघेल का आभार जताया। प्रतिनिधिमंडल ने कर्मचारी हितैषी ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि अधिकारियों-कर्मचारियों को मिली सौगातों से प्रदेश भर के कर्मचारियों में हर्षोल्लास की लहर है। हर्षित कर्मचारियों ने भूपेश बघेल जिंदाबाद के नारों के साथ गजमाला पहनाकर मुख्यमंत्री का सम्मान किया।

प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने कहा कि अभी तक किसी मुख्यमंत्री ने प्रदेश के अधिकारियों-कर्मचारियों को इतनी सौगातें नहीं दी हैं। छत्तीसगढ़ में केन्द्र के बराबर डीए पहली बार दिया जा रहा है। प्रतिनिधियों ने कहा कि हम सभी के लिए आपके द्वारा डीए में वृद्धि अप्रत्याशित है। आपने डीए में वृद्धि करके लाखों कर्मचारियों एवं उनके परिजनों को बहुत बड़ी सौगात दी है। अधिकारियों-कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि वे प्रदेश भर से अधिकारियों-कर्मचारियों की मंशा है कि सभी रायपुर में आकर विशाल आयोजन कर मुख्यमंत्री जी का आभार प्रकट करें।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार सदैव कर्मचारियों का ध्यान रखती है। मुख्यमंत्री ने कहा आप सभी अपने दायित्वों का लगन से निर्वहन करते रहें। प्रदेश के विकास में किसान, मजदूर, कर्मचारी सभी का योगदान है और हम सभी का ध्यान रखते हैं। कोरोना के समय हमने किसी की सैलरी नहीं काटी, क्योंकि आप लोगों ने जान की परवाह किए बगैर काम किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों-कर्मचारियों को कर्तव्यनिष्ठा के साथ राज्य के हित में कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

उल्लेखनीय है कि कर्मचारी हित में मुख्यमंत्री बघेल ने अनुपूरक बजट में बुधवार को विधानसभा में कई बड़ी घोषणाएं की। उन्होंने 4 प्रतिशत डीए वृद्धि, एचआरए के सातवें वेतनमान के आधार पर वृद्धि, संविदा कर्मियों के वेतन में 27 प्रतिशत बढ़ोत्तरी, दैनिक वेतनभोगियों के वेतन में 4000 रुपए की वृद्धि, पंचायत सचिवों के विशेष भत्ते में 2500 से 3000 रुपए मासिक वेतन बढ़ोत्तरी, पटवारियों को मासिक संसाधन भत्ता, पुलिस आरक्षकों को 8 हजार रुपए किट वार्षिक भत्ता समेत कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की, जिसके बाद प्रदेशभर के अधिकारियों-कर्मचारियों में खुशी की लहर है। प्रतिनिधिमंडल में कमल वर्मा, प्रांतीय संयोजक छ.ग. कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन, अनिल शुक्ला प्रांतीय संयोजक कर्मचारी अधिकारी महासंघ, महेन्द्र सिंह राजपूत अध्यक्ष छत्तीसगढ़ मंत्रालयीन कर्मचारी संघ, सर्व शिक्षक संघ के विवेक दुबे, वासुदेव पांडेय, प्रदीप पांडेय, महेन्द्र चन्द्राकर, चन्द्राकांत कन्नौजे, बी. पी. शर्मा प्रदेश अध्यक्ष छ.ग. कर्मचारी कांग्रेस, राजेश चटर्जी प्रदेश अध्यक्ष छ. ग. शिक्षक फेडरेशन, चंद्रशेखर तिवारी प्रदेश अध्यक्ष छ. ग. तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ, डॉ लक्ष्मण भारती अध्यक्ष छत्तीसगढ़ अजाक्स, कमलेश सिंह राजपूत प्रांताध्यक्ष छत्तीसगढ़ पटवारी संघ, सुनील यादव प्रांतीय महामंत्री छत्तीसगढ़ शिक्षक कांग्रेस, जी. आर. चंद्रा प्रदेश अध्यक्ष छ. ग. प्रदेश तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ, पंकज पांडे प्रदेश अध्यक्ष छ. ग. बहु . स्वा.कर्मचारी संघ, सतीश मिश्रा कोषाध्यक्ष छ. ग. कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन , संजय सिंह प्रदेश अध्यक्ष छ. ग. लिपिक वर्गीय कर्मचारी संघ, अश्वनी चेलक छ. ग. राज्य कर्मचारी संघ, तीरथ लाल सेन संरक्षक छत्तीसगढ़ मंत्रालयीन कर्मचारी संघ, आलोक मिश्रा प्रांताध्यक्ष प्रदेश स्वास्थय कर्मचारी संघ, रोहित तिवारी प्रांताध्यक्ष प्रदेश लिपिक वर्गीय कर्मचारी संघ, यशवंत वर्मा महामंत्री छत्तीसगढ़ शिक्षक संघ, संजय तिवारी प्रांतीय प्रवक्ता कर्मचारी अधिकारी महासंघ/संयुक्त मोर्चा, करन सिंह अटेरिया प्रांताध्यक्ष प्रदेश अधिकारी कर्मचारी संघ, संतोष वर्मा अध्यक्ष संचालनालयीन कर्मचारी संघ, सत्येंद्र देवांगन अध्यक्ष छत्तीसगढ़ अपाक्स, विजय लहरे प्रदेश अध्यक्ष कृषि विस्तार अधिकारी संघ मनीष मिश्रा , प्रांताध्यक्ष सहायक शिक्षक फेडरेशन, नीरज राजपूत, प्रांताध्यक्ष छत्तीसगढ़ राजस्व पटवारी संघ, दीप चंद भारती प्रांताध्यक्ष छत्तीसगढ़ राजस्व निरीक्षक संघ, युद्धेश्वर सिंह ठाकुर प्रांताध्यक्ष छत्तीसगढ़ न्यायालय कर्मचारी संघ, मनीष सिंह ठाकुर प्रांताध्यक्ष छत्तीसगढ़ वाहन चालक संघ, केदार जैन प्रांताध्यक्ष संयुक्त शिक्षक संघ, टार्जन गुप्ता प्रांताध्यक्ष स्वास्थ्य संयोजक कर्मचारी संघ, रितु परिहार प्रांताध्यक्ष महिला पर्यवेक्षक संघ सहित अन्य लोग शामिल रहे।

मुख्यमंत्री बघेल का प्रदेश पंचायत सचिव संघ छत्तीसगढ़ ने जताया आभार

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से आज विधानसभा परिसर स्थित उनके कार्यालय कक्ष में प्रदेश पंचायत सचिव संघ छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधि मंडल ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री बघेल को प्रतिनिधि मंडल ने पंचायत सचिवों को विशेष भत्ता दिए जाने पर मिठाई खिलाकर धन्यवाद दिया। उन्होंने बताया कि प्रदेशभर के पंचायत सचिवों में कल की गई घोषणा से हर्ष की लहर है। पंचायत सचिवों के हित में लिया गया फैसला ऐतिहासिक है। उल्लेखनीय है कि अनुपूरक बजट में पंचायत सचिवों के वेतन में वृद्धि की गई है। 15 वर्ष से कम सेवाकाल वाले पंचायत सचिवों को विशेष भत्ता में 2500 रुपए की तथा 15 वर्ष से अधिक सेवा काल वाले पंचायत सचिवों के विशेष भत्ते में 3000 रुपए की वृद्धि की गई है। इससे 50 करोड़ रुपए का अतिरिक्त व्यय राज्य सरकार को पड़ेगा। इसके अतिरिक्त उन्हें अर्जित अवकाश, दस लाख रुपए तक की उपादान राशि एवं पांच लाख रुपए तक चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति का लाभ भी दिया जाएगा। इस अवसर पर संसदीय सचिव चन्द्रदेव राय, प्रदेश पंचायत सचिव संघ छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष तुलसी साहू, यशवंत आडिल, अमर धनकर, एम लाल यादव, कृष्णा यादव, अर्जुन सिंह, मनीष दुबे सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

राज्यपाल हरिचंदन नई दिल्ली मे आयोजित इंडियन रेडक्रास की बैठक में शामिल हुए

रायपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की अध्यक्षता में गत दिवस राष्ट्रपति भवन नई दिल्ली में इंडियन रेडक्रास सोसायटी की वार्षिक सामान्य सभा की बैठक आयोजित की गई जिसमें राज्यों के राज्यपाल और रेडक्रास समिति के पदाधिकारी उपस्थित थें। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने भी बैठक में भाग लिया। बैठक में रेडक्रास सोसायटी के पिछले वर्षो के आय व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले रेडक्रास समितियों और रेडक्रास स्वंय सेवकों को सम्मानित किया गया। बैठक में छत्तीसगढ़ रेडक्रास सोसायटी के सी. ई. ओ. एम. के. राउत, चेयरमैन अशोक अग्रवाल एवं समिति के सचिव डॉ. रूपल पुरोहित भी उपरिथत थें। बैठक के पश्चात छत्तीसगढ़ रेडक्रास के पदाधिकारियों ने केन्द्रीय स्वास्थ मंत्री मनसुख मांडविया से भेंट कर छत्तीसगढ़ रेडक्रास समिति की जानकारी दी।

मुख्यमंत्री का राजस्व पटवारी संघ ने जताया आभार

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से आज यहां विधानसभा परिसर स्थित उनके कार्यालय कक्ष में राजस्व पटवारी संघ छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री का 500 रूपए मासिक संसाधन भत्ता की घोषणा पर प्रतिनिधिमंडल ने आभार जताते हुए उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट किया। मुख्यमंत्री को प्रतिनिधिमंडल ने बताया राज्य के सभी पटवारियों में इस फैसले से हर्ष है। केंद्र के समान डीए और गृहभाड़ा वृध्दि सहित कर्मचारी हित में लिए गए सभी फैसले ऐतिहासिक हैं। उल्लेखनीय है कि अनुपूरक बजट में मुख्यमंत्री बघेल द्वारा प्रदेश के सभी पटवारियों को 500 रूपए मासिक संसाधन भत्ता सहित कर्मचारी हित में कई घोषणाएं की गयी हैं। इस अवसर पर राजस्व पटवारी संघ छत्तीसगढ़ से भागवत कश्यप, ज्योतिष सर्वे, नीरज सिंह, कमलेश तिवारी, अश्वनी वर्मा, संतोष त्रिपाठी, मुरली वर्मा, सतीश चन्द्राकर, सुदर्शन पनिका, रविकांत सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ में पर्यटन उद्योग को मिलेगा प्रोत्साहन

कारवां पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए परिवहन विभाग में कारवां पंजीयन शुरु

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कारवां गाड़ी पंजीयन के लिए गाड़ी 10 प्रतिशत टैक्स छत्तीसगढ़ में पर्यटन उद्योग को मिलेगा प्रोत्साहनछत्तीसगढ़ में पर्यटन उद्योग को मिलेगा प्रोत्साहन10 प्रतिशत टैक्स छत्तीसगढ़ में पर्यटन उद्योग को मिलेगा प्रोत्साहनकीमत का 10 प्रतिशत टैक्स छत्तीसगढ़ में पर्यटन उद्योग को मिलेगा प्रोत्साहन छत्तीसगढ़ में पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए कारवां गाड़ियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मोटर कारवां के पृथक से पंजीयन हेतु टैक्स दर का निर्धारण किया गया है। इसके तहत कारवां गाड़ी के पंजीयन के लिए गाड़ी की कीमत का 10 प्रतिशत टैक्स देना होगा।

गौरतलब है कि राज्य में मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप परिवहन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर के मार्गदर्शन में जनसुविधा को ध्यान में रखते हुए परिवहन विभाग द्वारा नये-नये कदम उठाए जा रहे हैं। इस कड़ी में राज्य सरकार नदियो, पर्वत श्रृंखलाओं, हिल स्टेशनों, जंगलों और विरासत स्थलों पर 'कारवां पर्यटन' को बढ़ावा देने की योजना बना रही है। कारवां पर्यटन की अवधारणा ने दुनिया भर में अपार लोकप्रियता हासिल की है। इस नीति के तहत मनोरंजक वाहन या घूमने के लिए प्रयोग किए जाने वाले वाहन, टूरिस्ट वैन या मोटर घरों को उन स्थानों पर अनुमति दी जाएगी, जहां स्थायी निर्माण निषिद्ध है और जहां होटल और रिसॉर्ट दुर्लभ हैं। इसका उद्देश्य सुरक्षित यात्रा प्रदान करना और टूर ऑपरेटरों को प्रोत्साहित करना है। यह राज्य की प्राकृतिक सुंदरता और अन्य आकर्षणों का आनंद लेने की पर्यटकों को अनुमति देगा और इससे पर्यटन क्षेत्र में स्थानीय रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे।

कारवां एक तरह की यात्री वाहन है, जिसे विशेष प्रयोजन हेतु उपयोग किया जाता है। इस वाहन में बैठने और सोने की व्यवस्था होती है। साथ ही साथ टेबल और किचन भी होता है, कई वाहनों में बाथरूम भी होता है। एक तरह से मोटर कारवाँ एक चलता-फिरता होटल या घर के समान होता है। कारवां वाहन बनाने के लिये आप कोई नहीं गाड़ी या केवल चेसिस ख़रीद कर उसे पंजीकृत बॉडी बिल्डर से कारवां वाहन बनवा सकते हैं अथवा फिर कोई पुरानी गाड़ी को भी आप मॉडिफाई कर कारवां वाहन बना सकते है, लेकिन कारवां गाड़ी बनाने के लिए पुरानी गाड़ी तीन वर्ष से अधिक पुरानी नहीं होनी चाहिए। उन्मुख पर्यटन को बढ़ावा देता है, जहां पर पर्याप्त होटल आवास नहीं होते हैं। यात्रा, अवकाश और आवास के उद्देश्य से मोटर कारवां का उपयोग किया जा सकता है। एडवेंचर टूरिज्म के लिये भी मोटर कारवां का काफ़ी उपयोग किया जाता है। छत्तीसगढ़ में विशाल भूमि क्षेत्र और परिदृश्य है, जो मोटर कारवां पर्यटन के लिए एक नया पहलू जोड़ेगा।

वर्तमान में इको, वन्यजीव, तीर्थ पर्यटन इत्यादि की मांग बढ़ रही है। इसमें दूर-दराज के इलाकों, जंगलों और नदियों में जाना और रहना शामिल है। पर्यटन स्थलों पर पहले से ही आवास की कमी है, विशेष रूप से दूरदराज के क्षेत्रों में और कुछ स्थानों पर जहां स्थायी निर्माण न तो स्वीकार्य हो सकता है और न ही संभव है। ऐसे परिदृश्य में कारवां टूरिज्म प्रभावी रूप से बढ़ती मांग को पूरा कर सकता है, जबकि यह सुनिश्चित करने के साथ-साथ क्वालिटी, स्टैण्डर्ड और सुरक्षा मानदंडों का भी पालन करता है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि कारवां पर्यटन युवाओं, परिवारों, वरिष्ठ नागरिकों और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों सहित बाजार क्षेत्रों की एक विस्तृत श्रृंखला को आकर्षित करेगा।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

प्रीति ड्रेसेस
मेन्स एण्ड लेडिस वियर
जवाहर मार्केट, पावरहाउस, भिलाई
मो. 9589230033, 9993840094

● जीन्स
● टी-शर्ट
● शर्ट
● ट्राउजर
भारत जीन्स
जवाहर मार्केट,
पावर हाउस, भिलाई

आरना इंटरप्राईजेस
कांटावाला
वाटर प्यूरी फायर के विक्रेता एवं सुधारक
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
इलेक्ट्रानिक तराजू एवं सीसीटीवी कैमरा के विक्रेता व सुधारक
सर्कुलर मार्केट केम्प-2, भिलाई,
न्यू जेपी स्पोर्ट्स के सामने
7828844440, 9993045122
नया बस स्टैण्ड, शिव मंदिर रोड, दुर्ग, 09981370285, 9302833333

आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
अनुप ट्रेडर्स
सर्कुलर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

प्रमोद इंटरप्राइजेस
गेंहू, चांवल एवं दाल के थोक विक्रेता
लिंग रोड, केम्प-2, भिलाई-दुर्ग
फोन: 0788-2225449, 93290-13017

Hotel Shiv Prabha Inn.
& Town King
The Family Restaurant
46-C Market, Near Sapana Talkies & Hotel Apana Keshari Lodge, Power House, Bhilai, Distt.-Durg (C.G.)
9893215251, 8966981590
Email.: ranjanaguptakeshari@gmail.com

BIHAR
BOOT HOUSE
Jawahar Market,
Power House
Bhilai 9826181183

पढ़ाई के साथ जॉब की तैयारी है जरूरी

सिर्फग्रेजुएशन की डिग्री के आधार पर जॉब पाना एक मुश्किल काम होता है। डिग्री के साथ कैसे जल्दी से जल्दी मिलेगा इंडस्ट्री अनुभव, इसका तरीका हैं इंटर्नशिप और अप्रेंटिसशिप। इनके सही मायने क्या हैं और क्या हैं इन्हें पाने के तरीके, बता रही हैं स्वाति गौड़

एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में औसतन 87 प्रतिशत कम्पनियां ऐसी हैं, जिनमें मुख्यरूप से ऐसे युवा काम की शुरुआत करते हैं, जिनके पास कौशल और अनुभव नहीं होता। ऐसे में अप्रेंटिसशिप या इंटर्नशिप पेशेवर अनुभव का अच्छा विकल्प बनते हैं। इन दिनों एक नया विकल्प भी उपलब्ध हुआ है, अप्रेंटिसशिप एंबेडेड डिग्री प्रोग्राम का। वर्तमान में कुछ यूनिवर्सिटीज इस तरह के कोर्स करा रही हैं।

अप्रेंटिसशिप एंबेडेड डिग्री

नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 में उच्च शिक्षा और कौशल विकास के तालमेल पर जोर दिया गया है और इसी उद्देश्य से अप्रेंटिसशिप एंबेडेड डिग्री प्रोग्राम्स की शुरुआत हुई। डिग्री अप्रेंटिसशिप को अप्रेंटिसशिप एंबेडेड डिग्री प्रोग्राम भी कह सकते हैं। ये ऑस्ट्रिया, स्विट्जरलैंड और जर्मनी जैसे देशों में काफी पहले से चल रहे हैं और इंडस्ट्री में उन्हें वरीयता दी जाती है। विदेशों में ये लोकप्रिय हैं, क्योंकि पढ़ाई के साथ-साथ अपने काम का व्यावहारिक अनुभव भी हो जाता है और कुछ आय भी होती है।

कौन कर सकता है ये कोर्स भारत में परंपरागत तरीके से पढ़ाई करने वाले छात्र को कार्य अनुभव के लिए अलग से प्रयास करने होते हैं। किसी प्रोफेशनल कोर्स की तरह परंपरागत अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम में भी विषय संबंधी कार्य अनुभव साथ ही मिल सके, इसी उद्देश्य से डिग्री अप्रेंटिसशिप प्रोग्राम शुरू किए गए हैं। वहीं, जो युवा आईटीआई डिप्लोमा नहीं करना चाहते, या कामकाजी हैं और ग्रेजुएशन नहीं है या कामकाज करते हुए किसी क्षेत्र में ग्रेजुएट डिग्री हासिल करना चाहते हैं, उनके लिए भी ये मुफीद हैं। खासकर छोटे शहरों के छात्रों के लिए डिग्री व इंडस्ट्री ट्रेनिंग और जॉब पाने का अच्छा विकल्प हैं। ऐसे कोर्स में हफ्ते में एक-दो दिन कॉलेज और बाकी दिन कार्यस्थल पर जाना होगा।

क्या है उपलब्धता हालांकि ये प्रोग्राम अभी हार्ड कोर टेक्निकल क्षेत्रों में उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन बीकॉम, बीबीए आदि में कु छ यूनिवर्सिटी इसे पेश कर रही हैं।

इंटर्नशिप भी समझें

फाइनेंस, इंजीनियरिंग, सूचना प्रौद्योगिकी, विज्ञापन, मेडिकल, डिजाइनिंग, बायोटेक और फार्मास्यूटिकल, मार्केटिंग एंड सेल्स, हॉस्पिटैलिटी और मीडिया एंड कम्यूनिकेशन सहित अन्य बहुत से ऐसे क्षेत्र हैं, जो इंटर्नशिप के मौके देते हैं। इनसे भी कार्य अनुभव का लाभ उठाया जा सकता है।

कहां मिलेंगे अवसर

इंटर्नशाला और लेट्सइंटर्न सहित ऐसे कई जॉब पोर्टल हैं, जो विभिन्न इंटर्नशिप प्रोग्रामों व नियुक्तियों के बारे में विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराते हैं। इसके अलावा बेहतर नेटवर्क और संबधित क्षेत्र में हो रही ताजातरीन हलचलों पर नजर बनाकर रखने से भी नए अवसरों के बारे में पता चल सकता है।

- internshala.com
- niti.gov.in/internship
- linkedin.com
- letsintern.in
- in.indeed.com
- glassdoor.co.in
- makeintern.com

क्या है इंटर्नशिप

- इंटर्नशिप मुख्य रूप से किसी प्रोफेशनल डिग्री प्रोग्राम का हिस्सा होती है और इसे छात्र के लिए पेशेवर अनुभव ही माना जाता है। इसे कोर्स के दौरान भी कर सकते हैं और बाद में भी।
- इंटर्नशिप की अवधि काफी छोटी होती है, यह एक महीने से लेकर छह महीने के बीच हो सकती है। एक बार में मौका ना मिले तो कुछ समय बाद दोबारा प्रयास करें, क्योंकि जगह खाली होते ही आपको मौका मिल सकता है। साथ ही एक साथ बहुत सारी जगह आवेदन करें ताकि मौका जल्दी मिल सके।

इसमें समय-समय पर एग्जाम भी होता है।

ये कोर्स यूजीसी से मान्यताप्राप्त कोर्स होते हैं। इसलिए किसी भी ऐसे कोर्स के लिए आवेदन करते समय संस्थान और कोर्स की मान्यता जरूर देखें। इसमें नियमित पढ़ाई के लिए एक करिकुलम भी होता है, वहीं इंडस्ट्री के विशेषज्ञों की ओर से सॉफ्ट स्किल्स भी सुधारे जाते हैं।
सीनियर करियर काउंसलर डॉ. संजीब कुमार के अनुसार

अप्रेंटिस बनकर भी पा सकते हैं अनुभव

अगर आप ग्रेजुएट हैं, तो आपके लिए अप्रेंटिस बनकर कार्य अनुभव पाने का अच्छा विकल्प है। विशेषकर 30 या अधिक कर्मचारियों वाले सभी कार्य प्रतिष्ठानों को हर साल अपने कर्मचारियों की कुल संख्या के 2.5 से 15 की सीमा में अप्रेंटिसशिप प्रोग्राम लेना अनिवार्य है। इस तरह अपने काम को सीखने का और साथ-साथ इंडस्ट्री के बारे में गहराई से जानने का मौका मिलता है।

- अप्रेंटिसशिप लंबी अवधि की होती है। इसकी अवधि एक साल या उससे ज्यादा भी हो सकती है। इंटर्नशिप से यह इस आधार पर अलग होती है।
- एक खास बात यह है कि अप्रेंटिसशिप के दौरान किया गया प्रशिक्षण कार्य अनुभव के समान ही महत्व रखता है। इसलिए ट्रेनिंग के दौरान ही किसी पद पर नौकरी मिलने की संभावना भी ज्यादा होती है।
- प्रोग्राम के दौरान प्रशिक्षु को तनख्वाह तो नहीं मिलती, लेकिन कुछ भत्ता यानी स्टाइपेंड जरूर दिया जाता है।
- आमतौर से यह तकनीकी स्किल्स और वोकेशनल एजुकेशन ट्रेनिंग से जुड़े होते हैं, इसीलिए अप्रेंटिसशिप में कंस्ट्रक्शन तथा इंजीनियरिंग जैसे तकनीकी क्षेत्रों के लोग शामिल होते हैं। एक ध्यान देने योग्य बात यह भी है कि इस प्रोग्राम में प्रतिस्पर्धा बहुत ज्यादा है।
- ग्रेजुएट अप्रेंटिस के अलावा टेक्निशियन अप्रेंटिस, टेक्निशियन (वोकेशनल अप्रेंटिस) और ट्रेड अप्रेंटिस भी होते हैं।
- मुख्यरूप से उत्पादन, निर्माण, ऊर्जा, यातायात, हेल्थ केयर और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्र में अप्रेंटिसशिप प्रोग्राम देखने को मिलते हैं। भारत सरकार की ओर से स्किल इंडिया के तहत इस तरह के कई मंच देखने को मिलते हैं।

कहां मिलेंगे अवसर

भारत में इस प्रकार के पदों के बारे में कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के विभिन्न मंचों द्वारा विज्ञापित किया जाता है। वहीं ऑनलाइन जॉब बताने वाले मंचों से भी जानकारी मिलती है। ये मौके फायदेमंद साबित होते हैं।

गाने की शूटिंग के दौरान लगातार रोती रहीं संदीपा धर

अभिनेत्री संदीपा धर ने खुलासा किया है कि कैसे वह बारबाड गाने के लिए अपने किरदार की दुखद यात्रा में पूरी तरह से डूब गई थीं और शूटिंग के दो दिन लगातार रोते हुए बिताए थे। एक भावनात्मक यात्रा का वादा करते हुए, जो दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देगी, यह मधुर ट्रैक संदीपा का अब तक का सबसे दिल छू लेने वाला प्रदर्शन प्रस्तुत करता है। अपने अनुभव को साझा करते हुए, संदीपा ने साझा किया: बारबाड वास्तव में मेरे लिए एक विशेष गीत है। एक अभिनेता के रूप में, मैंने तीव्र भावनाओं को व्यक्त करने में असुरक्षित महसूस किया है, लेकिन साथ ही इसने चुनौतीपूर्ण पात्रों में ढलने के लिए मेरे आत्मविश्वास को बढ़ाया है। खुद को पूरी तरह से ढूंढना अपने किरदार की दुखद यात्रा में डूबे हुए, मैंने शूटिंग के दो दिन लगातार रोते हुए बिताए।

दिल्ली में दो दिनों तक फिल्माई गई बारबाड में संदीपा के साथ अभिषेक बजाज और अक्षय चौहान भी हैं। यह गाना एक लड़की की कहानी बताता है जब वह अपने शारीरिक रूप से दुर्व्यवहार करने वाले प्रेमी के दिल दहला देने वाले विश्वासघात को सहती है। बारबाड उन लड़कियों के अनुभवों को उजागर करता है जो प्यार से बुरी तरह टूट गई हैं, कभी-कभी उन्हें अपनी जान लेने के बारे में सोचने पर मजबूर कर देती हैं। उसने कहा। संदीपा ने कहा, हालांकि, गाना एक महत्वपूर्ण संदेश देता है, जो इन लड़कियों को अपने सबसे बुरे क्षणों में ताकत और आशा खोजने और इस तरह के कठोर कार्यों से बचने का आग्रह करता है। साक्षी होल्कर द्वारा गाया गया, संगीत मनदीप पंघाल द्वारा रचित है और एमके फिल्म प्रोडक्शन के तहत मनीष खारी द्वारा निर्मित है।

इंटरव्यू में ऐसे करें वेतन की बात

एक जॉब इंटरव्यू के दौरान अपेक्षित वेतन के बारे में पूछा जा सकता है। इसका उत्तर देते समय अकसर लोग घबराहट में गलती कर बैठते हैं। जानें टिप्स

इंटरव्यू प्रक्रिया में सैलरी को लेकर आपकी अपेक्षाओं के बारे में भी पूछा जाने पर अगर आप पहले से तैयार होते हैं, तो पद के लिए आपकी दावेदारी मजबूत हो सकती है। अपना उत्तर तैयार करें ऐसे

रिसर्च करें

अपने इंटरव्यू से पहले उस क्षेत्र में औसत वेतनमान के बारे में पता करें। पता लगाएं कि आवेदित पद के लिए आम कंपनियां कितना वेतन दे रही हैं। इससे आपको एक आधार मिल सकता है कि आप कितना वेतन कह सकते हैं।

अगर यह प्रश्न इंटरव्यू के शुरुआती दौर में है, तो आप अपनी रिसर्च का हवाला देते हुए कह सकते हैं कि इंडस्ट्री में कितना वेतनमान स्वीकार्य है। लेकिन किसी एक स्रोत का नाम भर ना लें, क्योंकि एक नाम या कंपनी पूरे क्षेत्र के लिए मानक नहीं बन सकती। ना ही कोई एक राशि बताएं। अपने रिसर्च के आधार पर अपनी योग्यताओं को बताते हुए वेतन की अपेक्षित राशि की रेंज बताएं। सच यह भी है कि जब आप इंडस्ट्री में आवेदित पद के लिए वेतन की छानबीन कर लेंगे, तो आप जो भी कहेंगे वह अपने आप ही तर्कपूर्ण और आत्मविश्वास से कहा जाएगा। एक अन्य तरीका भी अपना सकते हैं

प्रश्न को मोड़ना सीखें

अगर नियुक्ति की सारी बातें तय नहीं हुई हैं और पहले ही आपसे यह पूछा जा रहा है, तो आप इस प्रश्न को वापस पूछ सकते हैं। यानी आप नम्रता पूर्वक कंपनी के वेतन स्केल की बात पूछ सकते हैं। इसका कारण देते हुए कह सकते हैं कि आप यह जानना चाहते हैं, ताकि आप एक यथार्थपूर्ण नजरिया पेश कर सकें। और फिर अपनी योग्यताओं के आधार पर पैनल को अपनी अपेक्षित राशि के बारे में बताएं।

वेतन सीमा बताएं, राशि नहीं

यदि आप इंटरव्यू प्रक्रिया में उस बिंदु पर हैं, जब एक राशि बतानी ही होती है, ऐसे में आप अपेक्षित वेतन की राशि की एक रेंज बताएं, तो चीजें आपके पक्ष में ज्यादा बनेंगी। ध्यान रखें कि नियोक्ता आपकी वेतन सीमा के निचली सीमा को चुन सकता है, इसलिए अपनी बताई वेतन की रेंज में कम और ज्यादा के बीच 5-10 हजार रुपयों का अंतर ही रखें।

बिग बॉस ओटीटी की रिद्धिमा पंडित ने पुष्टि की, वह डेटिंग मोड में हैं

रियलिटी टीवी स्टार रिद्धिमा पंडित, जो बिग बॉस ओटीटी के पिछले सीजन में नेहा भसीन द्वारा लिप-किस किए जाने के बाद थोड़े समय के लिए मशहूर हो गईं, ने अपनी निजी जिंदगी पर चुप्पी तोड़ी है और कहा है कि वह इस समय किसी के साथ डेटिंग कर रही हैं। रिद्धिमा हाल ही में उन बॉलीवुड हस्तियों में शामिल होने के कारण खबरों में रहीं, जिन्होंने बाद में उपयोग के लिए अपने अंडे फ्रीज कर दिए हैं, कुछ साल पहले संगीतकार राजेश रोशन के बेटे और ऋतिक के चचेरे भाई ईशान रोशन के साथ उनकाा रिश्ता टूट गया था। अब लग रहा है कि उनकी जिंदगी में कोई आ गया है और हाल ही में उसे एक सैलून के बाहर देखा गया, डेट पर जाने से पहले उन्हें बहुत जरूरी टीएलसी मिली।

रिद्धिमा ने मीडिया से बात करते हुए कहा, मैं डेट पर जा रही हूं, लेकिन कहां और किसके साथ, यह मैं आपको नहीं बताऊंगी। बहू हमारी रजनी कांत में बहू के रूप में सनसनी बनने के बाद रिद्धिमा फियर फैक्टर = खतरों के खिलाड़ी 9, खतरा खतरा खतरा और बिग बॉस ओटीटी जैसे रियलिटी शो में दिखाई दीं।

रिद्धिमा ने कहा कि वह फिलहाल बिग बॉस ओटीटी 2 को फॉलो नहीं कर रही हैं, हालांकि वह इसमें पूजा भट्ट को देखने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा, मैंने सोचा था कि पूजा भट्ट मेरी पसंदीदा होंगी, लेकिन दुर्भाग्यवश, मेरे पास शो देखने का समय नहीं है। मुझे उत्सुकता है कि वह अब कैसी दिखती हैं, मुझे लगता है कि मैं पूजा भट्ट के लिए यह शो देखूंगी।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

ईवीएम व व्ही.व्ही. पैट के प्रदर्शन के माध्यम से लोगों को किया जा रहा जागरूक

सूरजपुर। आगामी विधानसभा निर्वाचन को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा 17 से 31 जुलाई 2023 तक ईवीएम मशीन एवं व्ही.व्ही. पैट मशीन का प्रदर्शन कर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। इस कड़ी में चांदनी बिहारपुर के ग्राम नवाटोला हॉट बाजार, थाड़पाथर हॉट बाजार, रेड़ीपहरी चौक, हाई स्कूल महोली, हॉट बाजार महोली, तहसील बिहारपुर, कॉलेज बिहारपुर में मशीनों का प्रदर्शन किया गया। जिसमें लोगों को वोटिंग के लिए बटन दबाना सिखाया गया एवं मशीन की जानकारी दी गई। इन मशीनों के प्रदर्शन में महिला, बुजुर्ग, नौजवानों ने काफ़ी रुचि दिखाई। लगभग 350 लोगों ने अभी तक वोटिंग मशीन के प्रदर्शन में हिस्सा लिया। तहसीलदार संजय शर्मा ने बताया कि आगे भी हमारी जागरूकता अभियान जारी रहेगी और ज्यादा से ज्यादा लोगों को जागरूक किया जायेगा। इस कार्य में सुनील एक्का व्याख्याता हाई स्कूल नवाटोला, वीरेंद्र सिंह व्याख्याता शासकीय हाई स्कूल महोली का सहयोग रहा।

जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों के लिए रोजगार का सुनहरा अवसर

कांकेर। जिले के बेरोजगार युवक–युवतियों के भविष्य को बेहतर एवं उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कलेक्टर डॉ. प्रियंका शुक्ला के प्रयास से नि:शुल्क होटल मैनेजमेंट कोर्स की व्यवस्था की गई है, जिसमें बीएससी, हॉस्पिटेलिटी एंड होटल एडमिनिस्ट्रेशन का 03 वर्षीय कोर्स, डिप्लोमा इन हाउसकीपिंग का 18 माह का कोर्स, डिप्लोमा इन फूड एंड बेवरेज सर्विसेस तथा डिप्लोमा इन हाउसकीपिंग का 18 माह कोर्स के लिए स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट केटरिंग टेक्नोलॉजी एंड एप्लाईड न्यूट्रिसशन, रायपुर में नि:शुल्क प्रवेश दिया जावेगा। जिसमे शिक्षण शुल्क एवं छात्रावास शुल्क का पूरा व्यय कांकेर जिला प्रशासन द्वारा वहन किया जावेगा। ज़िले के प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष खनन प्रभावित क्षेत्रों से न्यूनतम 12वीं उत्तीर्ण कक्षा उत्तीर्ण अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों को प्राथमिकता देते हुए युवक–युवतियों को होटल मैनेजमेंट कोर्स में नि:शुल्क प्रवेश दिया जावेगा। जिले के इच्छुक अभ्यर्थी 21 जुलाई 2023 को प्रात: 11 बजे जिला पंचायत कांकेर में उपस्थित होकर अपना आवेदन जमा कर सकते हैं।

8 मापदंडो पर 17 विभागों का हुआ मूल्यांकन जिसमें महारानी हॉस्पिटल आया अव्वल

जगदलपुर। राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन कार्यक्रम के अंतर्गत बस्तर जिले का महारानी हॉस्पिटल सभी मानकों पर खरा उतरा है। भारत सरकार के प्रतिनिधि डॉक्टर धर्मेश लाल, डॉक्टर जुरी भरत कलिटा एवं डॉक्टर से शैनमुगवेल द्वारा इसी साल मार्च में महारानी हॉस्पिटल का निरीक्षण किया था। इसमें किलनिकल सर्विसिस, इंफेक्शन कंट्रोल,क्वालिटी मैनेजमेंट, पेशेंट राइट ,इनपुट सपोर्ट सर्विसिस,प्रोविजन समेत 8 मानको पर 17 विभाग का मूल्यांकन किया गया। जिसमे संभाग मुख्यालय का यह हॉस्पिटल खरा उतरा। स्वास्थ एवं परिवार कल्याण मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा जिला चिकित्सालय के 12 विभागों को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन कार्यक्रम के सभी मापदंडो में क्वालीफाई कर 86 प्रतिशत अंक दिए। सबसे बड़ी बात यह है कि प्रसव कक्ष को 82 प्रतिशत, मेटरनिटी ओटी को 88 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए। शिशु रोग विभाग को 89 प्रतिशत अंक मिले। सिविल सर्जन के नेतृत्व में टीम वर्क से मिली कामयाबी महारानी हॉस्पिटल को मिली इस उपलब्धि के संबंध में सिविल सर्जन डॉ संजय प्रसाद ने बताया कि राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन कार्यक्रम की तैयारी एक साल पहले से शुरु की गई थी। मूल्यांकन की प्रक्रिया तीन चरणों में होती है।

गौरीशंकर मंदिर में 24 को फिर होगा नि:शुल्क रूद्राक्ष एवं भभूति वितरण

गरियाबंद। गौरी शंकर मंदिर समिति की ओर से प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवती अमावस्या हरेली के पावन वर्ष पर सिध्द किये हुए रूद्राक्ष को शिवजी के प्रसाद के रूप में श्रावण के अधिक मास के प्रथम सोमवार 24 जुलाई को शिवभक्तो को नि:शुल्क वितरण किया जावेगा श्रावण मास में इस वर्ष अधिक मास पड़ने से शिव जी की आराधना का अनन्त गुना फल प्राप्त होता है जिसका लाभ शिव भक्तो को मिलेगा दोपहर 12 बजे से गौरीशंकर मंदिर सिविल लाइन गरियाबंद में एक बार पुन: भक्तजनो की भीड़ लगेगी इसके पूर्व शिवरात्रि के पावन पर्व पर भी प्रसाद के रूप में रूद्राक्ष एवं भभूति का नि:शुल्क वितरण किया गया था शिवभक्तो को पुन: प्रसाद के रूप मे रूद्राक्ष प्राप्त करने को इंतजार था इस समय की श्रावण मास मे मंदिर में द्वादश ज्योर्तिलिंग गौरीशंकर शिव परिवार को जल चढ़ाने और शिव जी को प्रसन्न करने के लिए अपने–अपने तरह से पूजा पाठ के लिए लाईन लगी रहती है मंदिर समिति के सदस्य सौरभ शिवानंद देवांगन ने कहा यह मंदिर अपने आपमे क्षेत्र का अनोखा मंदिर है।

खाद्यान्न, खाद्य सुरक्षा और खाद्य संरक्षा के मुद्दों पर गहराई से विचार करना अत्यंत महत्वपूर्ण : डॉ. मांडविया

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली (पीआईबी)। केन्द्री य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेन्द्र तोमर और विशेष अतिथि नेपाल सरकार के कृषि एवं पशुधन विकास मंत्री डॉ. बेदु राम भुसाल की उपस्थिति में आज यहां अब तक के सबसे पहले वैश्विक खाद्य नियामक शिखर सम्मेलन 2023 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रो. एस.पी. सिंह बघेल और डॉ. भारती प्रवीण पवार भी उपस्थित थे। यह शिखर सम्मेलन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तत्वावधान में भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण का एक प्रयास है, जो खाद्य मूल्य श्रृंखला में खाद्य सुरक्षा प्रणालियों और नियामक ढांचे को मजबूत करने पर दृष्टिकोण का आदान–प्रदान करने के उद्देश्यु से खाद्य नियामकों का एक वैश्विक मंच तैयार करता है।

डॉ. मांडविया ने कहा कि सुरक्षित भोजन और अच्छा स्वास्थ्य एक दूसरे के पूरक हैं। संतुलित, सुरक्षित और पौष्टिक भोजन निवारक देखभाल के रूप में कार्य करता है और हमारा स्वास्थ्य और कल्याण सुनिश्चित करता है। खाद्य सुरक्षा के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि वैश्विक सतत विकास के लिए खाद्यान्न, खाद्य सुरक्षा और खाद्य संरक्षा के मुद्दों पर गहराई से विचार करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। वन हेल्थ दृष्टिकोण के तहत एक इको–सिस्टम बनाना खाद्य नियामकों का अत्यधिक उत्तरदायी कार्य है जो जलवायु, मानव, पशु और पौधों के स्वास्थ्य को सामूहिक रूप से देखने के लिए एक एकीकृत मंच प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि यह मौजूदा जी20 की भारत की अध्यरक्षता के अंतर्गत वन हेल्थ स्वास्थ्य कार्य समूह के लिए एक प्रमुख प्राथमिकता है।

वैश्विक समुदाय के हित और कल्याण के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और एकजुटता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, डॉ. मांडविया ने कहा, यह सम्मेलन इस वर्ष जी20 की भारत की अध्यक्षता के विषय – वसुदेव कुटुंबकम: एक पृथ्वी, एक राष्ट्र के साथ पूरी तरह से मेल खाता है। उन्होंने कहा कि चूंकि विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में कृषि–जलवायु से जुड़ी विविधताएं होती हैं, इसलिए खाद्य सुरक्षा प्रोटोकॉल पर कोई एक मानक लागू नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा, हमें यह पता लगाने की जरूरत है कि क्षेत्रीय विविधताओं को वैश्विक स्त र पर सर्वोत्तम तौर–तरीकों में कैसे शामिल किया जा सकता है।

डॉ. मांडविया ने खाद्य स्वास्थ्य के एक महत्वपूर्ण निर्धारक के रूप में मिट्टी के स्वास्थ्य के पहलू पर विस्तार से प्रकाश डाला, और हाल ही में घोषित पीएम–प्रणाम योजना की मुख्य विशेषताओं के बारे में चर्चा की, जो खाद्य कृषि में रसायनों और उर्वरकों के संतुलित उपयोग को प्रोत्साहित करती है, और किसानों को जैविक, प्राकृतिक एवं वैकल्पिक खेती को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती है।

उन्होंने सभी देशों से वसुधैव कुटुंबकम (पूरा विश्व एक परिवार है) की भावना से सामूहिक रूप से काम करने का आग्रह किया क्योंकि भोजन की कमी एक वैश्विक समस्या है जिसके लिए सहयोग आधारित वैश्विक समाधान की आवश्यकता है। सत्र के विशिष्ट अतिथि श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि भोजन एक बुनियादी अधिकार है और इसकी उपलब्धता और सामर्थ्य सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा, भारत में कृषि क्षेत्र और खाद्य उद्योग के आकार और मात्रा को ध्यान में रखते हुए, खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कृषि इनपुट से लेकर उत्पाद को अंतिम उपभोक्ता तक पहुंचाने तक पूरे मूल्य श्रृंखला नेटवर्क पर एक इकाई के रूप में विचार करना महत्वपूर्ण है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि खाद्य आपूर्ति के संबंध में किसी भी नीति के केंद्र में हमेशा किसान होने चाहिए, ताकि वे किसी भी नकारात्मक तरीके से प्रभावित न हों। उन्होंने अन्य फसलों की तुलना में मोटे अनाज (मिलेट) की खेती में पानी की कम खपत, जलवायु की प्रतिकूल परिस्थितियों के प्रति लचीलापन और उच्च पोषण मूल्य जैसी इसकी सकारात्मक विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए मोटे अनाज के उपयोग को बढ़ावा देने में एक सशक्तर उदाहरण बताया।

एक रिकॉर्ड किए गए संदेश के माध्यम से, विश्व स्वास्स्रण संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक डॉ. टेड्रोस एडनोम घेबियस ने एक वीडियो संदेश के माध्यम से अब तक के सबसे पहले इस वैश्विक खाद्य नियामक शिखर सम्मेलन के आयोजन के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और एफएसएसएआई को बधाई दी।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था के जीर्णोद्धार के लिए पशुधन क्षेत्र के लिए अब तक की पहली 'ऋण गारंटी स्कीम' लॉन्च

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली (पीआईबी)। पशुपालन और डेयरी विभाग, मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय, ऋण वितरण प्रणाली को मजबूत करने और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को जोखिम मुक्त असुरक्षित ऋण के सुचारू प्रवाह की सुविधा के लिए पशुपालन अवसंरचना विकास निधि के तहत क्रेडिट गारंटी योजना पशुधन क्षेत्र में लागू किया गया है।

स्कीम को प्रचालनगत करने के लिए, डीएएचडी ने 750 करोड़ रुपए के एक क्रेडिट गारंटी फंड की स्थापना की है, जो पात्र ऋणदाता संस्थानों द्वारा एमएसएमई को दी जाने वाली ऋण सुविधाओं के 25 प्रतिशत तक का क्रेडिट गारंटी कवरेज प्रदान करेगा। क्रेडिट गारंटी स्कीम मुख्य रूप से पहली पीढ़ी के उद्यमियों तथा समाज के वंचित वर्ग के लोगों, जिनके पास अपने उद्यमों की सहायता के लिए विपणन योग्य धन का अभाव होता है, को उधारदाताओं से वित्तीय सहायता उपलब्ध कराते हुए पशुधन क्षेत्र के वंचित और अल्प सेवा प्राप्त सेक्टर के लिए वित्त की सुविधा प्रदान करने में सहायता करती है। क्रेडिट गारंटी स्कीम का मुख्य उद्देश्य यह है कि ऋणदाता को परियोजना व्यवहार्यता को महत्व देना चाहिए और विशुद्ध रूप से वित्त पोषित परिसंपत्तियों की प्राथमिक सुरक्षा के आधार पर ऋण सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट की स्थापना को 15000 करोड़ रुपए के पशुपालन अवसंरचना विकास फंड (एएचआईडीएफ) के प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत अभियान प्रोत्साहन पैकेज के तहत डेयरी प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन अवसंरचना, मांस प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन अवसंरचना पशु आहार संयंत्र नस्ल सुधार प्रौद्योगिकी और नस्ल बहुगुणन फार्म (1) पशु अपशिष्ट से संपदा प्रबंधन पशु चिकित्सा टीका और औषधि विनिर्माण सुविधाओं की स्थापना के लिए व्यक्तिगत उद्यमियों, निजी कंपनियों एमएसएमई, कृषक उत्पादक संगठनों (एफपीओ) और धारा–8 कंपनियों द्वारा निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए मंजूरी दी गई थी।

दीदी ई-रिक्शा सहायता योजनांतर्गत अब एक लाख रूपए तक मिलेगा अनुदान

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल द्वारा संचालित दीदी ई–रिक्शा सहायता योजना के तहत् पंजीकृत निर्माण श्रमिक को देय अनुदान राशि 50 हजार रूपए प्रदान किया जाता था। इस योजना में संशोधन कर अनुदान राशि में वृद्धि कर 01 लाख रुपए कर दिया गया है। योजना के क्रियान्वयन हेतु पंजीकृत निर्माण श्रमिक को ई–रिक्शा हेतु स्वयं के द्वारा 10 हजार प्रदान करना होगा एवं शेष राशि बैंक से लोन के माध्यम से संबंधित रिक्शा चालक को ऋण लेना होगा। जिसका भुगतान हितग्राही द्वारा बैंक को निर्धारित अवधि में ब्याज सहित करना होगा।

सहायक श्रम आयुक्त ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि बैंक द्वारा हितग्राही का लोन स्वीकृत किए जाने संबंधित दस्तावेज उपलब्ध कराए जाने पर हितग्राही के लोन खाते में मंडल का अंशदान राशि 01 लाख रूपए देय होगा। उन्होंने बताया कि पंजीकृत निर्माण महिला श्रमिक अथवा पंजीकृत निर्माण महिला श्रमिकों का समूह जिनका स्व–सहायता के तहत पंजीकृत हो एवं आयु 18 से 50 वर्ष के मध्य हो, उन्हें योजना के लाभ की पात्रता होगी।

पंजीकृत श्रमिक को योजना का लाभ एक बार प्रदाय होगा। साथ ही राज्य शासन के समानांतर किसी अन्य योजना से लाभ प्राप्त कर रहे हितग्राही को इस योजना का लाभ नही मिलेगा। उन्होंने बताया कि उक्त योजनांतर्गत हितग्राही के जीवित श्रमिक पंजीयन परिचय पत्र की प्रति, बैंक से लोन प्राप्त करने संबंधी दस्तावेज की मूल स्कैन प्रति, आधार कार्ड, ड्राईविंग लाइसेंस एवं बैंक पास बुक के साथ बैंक से ऋण स्वीकृति के 90 दिवस भीतर मूल दस्तावेज के साथ ऑनलाईन आवेदन किया जाना प्रावधानित है।

पंजीयन हेतु ऐसे महिला श्रमिक जो भवन निर्माण, सडक निर्माण कार्य (शासकीय अथवा निजी) में 90 दिन कार्य किया हो, पात्र होंगे। श्रमिक कार्य अंतर्गत रेजा, कुली, राजमिस्त्री, प्लम्बर, इलेक्ट्रिशियन, पेंटर, कारपेंटर, पत्थर काटने वाले, फिटर या बेंडर, मैकेनिक, कुंए खोदने वाले, वेल्डिंग करने वाले, मुख्य मजदूर स्प्रेमैन, लोहार, मिश्रण करने वाले, पंप ऑपरेटर, बांध–पुल निर्माण मे लगे मजदूर, ईंट भट्ठा निर्माण में लगे मजदूर सहित अन्य श्रमिक शामिल हैं।

कलेक्टर ने रूद्राक्ष का पौधा लगा कर जोबा में पौध पाठशाला का किया शुभारंभ

गरियाबंद। कलेक्टर आकाश छिकारा के नवाचारी और विशेष पहल पर जिला मुख्यालय से लगभग 10 किलोमीटर की दूरी पर स्थित ग्राम पंचायत जोबा में पौध पाठशाला विकसित किया गया है।कलेक्टर श्री छिकारा ने रूद्राक्ष और जिला पंचायत सीईओ रीता यादव ने लाल चंदन का पौधा रोपण कर आज पौध पाठशाला का शुभारंभ किया।इस पौध पाठशाला में 5 एकड़ रकबे में 212 प्रजाति के लगभग 2600 पौधों का रोपण किया गया।पौधशाला में सजावटी, ईमारती, फलदार, औषधीय,मसाले एवं लता युक्त दुर्लभ और विशिष्ट गुणयुक्त पौधों एवोकाडो,बॉटल पाम,चेरी, लीची,चाय, कॉफी, शहतूत, रबर, काजू, मेंहदी ,नागचम्पा, सर्पगंधा, एलोवेरा, अश्वगंधा, काली मूसली आदि पौधों का रोपण किया गया है। पौधशाला के माध्यम से स्कूली बच्चे जिन पौधों को केवल किताबों और टेलीविजन के माध्यम से देखते थे। उन्हें अब जिले में विकसित पौधशाला में साक्षात देख सकेंगे।साथ ही उनके वैज्ञानिक नाम और उत्पत्ति के बारे में भी जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।इस अवसर पर ग्राम जोबा के शासकीय हाईस्कूल के बच्चों सहित ग्रामीणजनों ने भी वृहद पौध रोपण कार्यक्रम में सम्मलित हुए।पौध पाठशाला का शुभारंभ करते हुए कलेक्टर श्री छिकारा ने कहा कि स्कूली बच्चों को पर्यावरण और वनस्पतियों के बारे में जागरूक करने और इस विषय में ज्ञान वृद्धि के लिए पौध पाठशाला विकसित किया गया है।उन्होंने कहा कि जिस प्रकार प्रयोगशाला में विभिन्न रासायनिक तत्वों को देखने और उसके बारे में जानने का मौका मिलता है।

चौथे ऊर्जा अंतरण कार्य समूह के दौरान स्वच्छ ऊर्जा पर 14वीं मंत्रिस्तरीय और 8वें मिशन की नवाचार बैठक गोवा में शुरू

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली (पीआईबी)। भारत की जी–20 की अध्यक्षता के अंतर्गत चौथी ऊर्जा अंतरण कार्य समूह (ईटीडब्ल्यूजी) की बैठक कल 19 जुलाई, 2023 को गोवा में शुरू हुई। मुख्य कार्यक्रम के अवसर पर पहले दिन स्वच्छ ऊर्जा पर 14वीं मंत्रिस्तरीय और 8वें मिशन की नवाचार बैठक 34 से अधिक सदस्य देशों के उत्साह एवं सक्रिय भागीदारी के साथ शुरू हुई। कार्यक्रम की शुरुआत भारत सरकार के गर्मजोशी से स्वागत के साथ हुई, इसके बाद अन्य सीईएम ट्रोइका सदस्यों (अमरीका और ब्राजील) का विशेष संबोधन और सीईएम तथा एमआई सचिवालयों का भाषण हुआ। इस वर्ष का विषय स्वच्छ ऊर्जा को मिलकर आगे बढ़ाना है।

सीईएम के पहले दिन सीईएम वर्कस्ट्रीम समन्वयकों, अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों, शोधकर्ताओं, नीति विशेषज्ञों, उद्योग पेशेवरों और अन्यग सहित 800 से अधिक व्यक्तियों की प्रभावशाली उपस्थिति देखी गई। इसके अतिरिक्त, इस कार्यक्रम में 30 से अधिक भागीदारों ने लगभग 50 अन्य। कार्यक्रम आयोजित किए। ये कार्यक्रम ऊर्जा दक्षता, स्वच्छ ईंधन, स्वच्छ ऊर्जा, गतिशीलता और उद्योगों से कार्बन की मात्रा खत्मए करने जैसे विभिन्न विषयों पर केंद्रित थे।

सीईएम14/एमआई8 में जनता की पहुंच वाला मुफ्त या भुगतान योग्यो और सांस्कृतिक प्रदर्शन को दर्शाया गया है जो भारत तथा विश्वक में स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में हुई अत्याधुनिक तकनीक प्रगति को दर्शाता है। प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक प्रदर्शन, गोवा में श्यामा प्रसाद मुखर्जी इंडोर स्टेडियम में 19–22 जुलाई, 2023 तक आयोजित किया जा रहा है। इसका उद्घाटन गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत ने गोवा के बिजली मंत्री श्री सुदीन धवलीकर, विद्युत मंत्रालय के सचिव श्री पंकज अग्रवाल; अपर सचिव श्री अजय तिवारी; और ऊर्जा दक्षता ब्यूरो के महानिदेशक श्री अभय बाकरे की उपस्थिति में किया। प्रौद्योगिकी प्रदर्शन में इलेक्ट्रिक वाहन, हाइड्रोजन और विश्वथ की अन्य स्वच्छ प्रौद्योगिकियों जैसी नई और उभरती हुई प्रौद्योगिकियां शामिल होंगी। प्रौद्योगिकी प्रदर्शन तीन भागों के तहत आयोजित किया जाएगा, यानि वाहन और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर शोकेस (एसआईएएम, टेरी, कैलस्टार्ट और ड्राइव टू जीरो द्वारा), मिशन इनोवेशन (विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा) और क्लीन टेक स्टार्ट–अप (टेरी)। एग्नेल पॉलिटेक्निक के 130 छात्रों के पहले समूह ने प्रौद्योगिकी प्रदर्शन में भाग लिया। 'वित्तपोषण कार्बन कैप्चर, उपयोग और भंडारण' के विषय को संबोधित करने के लिए एक सत्र की व्यवस्था की गई थी, जिसका उद्देश्य वाणिज्यिक बैंकों, बहुपक्षीय विकास बैंकों, सरकारों और उद्योग के प्रतिनिधियों को एक साथ लाना था। इस घटना का मुख्य फोकस कार्बन प्रबंधन परियोजनाओं के वित्तपोषण को और अधिक आकर्षक बनाने के तरीके पर रणनीतियों और विचारों का पता लगाना था।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग (वि./यां.) संभाग दुर्ग

// निविदा आमंत्रण सूचना //

ज्ञाप क्र. 6327 /नि.प्र. क्र.–04/लो.नि.वि./2023-24   दुर्ग, दिनांक 18/07/2023

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य का विद्युतीकरण कार्य हेतु मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है :

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 31/07/2023 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि :- 10/08/2023 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि :- 11/08/2023 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक

निविदा खोलने की तिथि में अवकाश हो या अधोहस्ताक्षरकर्ता शासकीय दौरे पर हो तो निविदा आगामी कार्य दिवस मे खोली जावेगी।

स.क्र./ निविदा क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)
1	2	3
(1) T0071	E/F and Maintenance to Deposit work 17 Nos. School Mahud-A and other Building under C.M. Jatan Yojna Block Gunderdehi, District Balod	11.25 Lacs
(2) T0072	E/F and Maintenance to Deposit work 24 Nos. School Barbuspur and other Building under C.M. Jatan Yojna Block Gunderdehi, District Balod	14.51 Lacs
(3) T0073	E/F and Maintenance to Deposit work 24 Nos. School Odarsakri and other Building under C.M. Jatan Yojna Block Gunderdehi, District Balod	14.83 Lacs
(4) T0074	E/F and Maintenance to Deposit work 15 Nos. School Ranchirai and other Building under C.M. Jatan Yojna Block Gunderdehi, District Balod	9.80 Lacs
(5) T0075	E/F and Maintenance to Deposit work 17 Nos. School Daukidih and other Building under C.M. Jatan Yojna Block Gunderdehi, District Balod	10.72 Lacs
(6) T0076	E/F and Maintenance to Deposit work 07 Nos. School Daihan and other Building under C.M. Jatan Yojna Block Balod, District Balod	3.43 Lacs
(7) T0077	Providing E/F work to Deposit work under District Mohla-Manpur-Ambagarhchowki (Zonal work)	19.65 Lacs
(8) T0078	Providing E/F work to Deposit work under Block Rajnandgaon, District Rajnandgaon (Zonal work)	19.70 Lacs
(9) T0079	Providing E/F work to Deposit work under E/M Sub Division, Rajnandgaon (Zonal work)	19.80 Lacs
(10) T0080	Providing E/F work to Deposit work under I.K.S.V. Khairagarh (Zonal work)	19.50 Lacs
(11) T0081	Providing E/F work to 33KV / 11KV / LT Line and X-mer DP Shifting under Civil Division, Khairagarh	19.70 Lacs
(12) T0082	Providing E/F work to Deposit work under District Balod (Zonal work)	19.60 Lacs
(13) T0083	Providing E/F work to Deposit work under Block Gurur, District Balod (Zonal work)	18.40 Lacs
(14) T0084	Providing E/F work to Deposit work under Civil Division, Balod (Zonal work)	19.30 Lacs
(15) T0085	Providing E/F work to Deposit work under District Durg (Zonal work)	19.80 Lacs
(16) T0086	Providing E/F work to Deposit work under Block Patan, District Durg (Zonal work)	19.60 Lacs
(17) T0087	Providing E/F work to Deposit work under Bhilai-3, District Durg (Zonal work)	18.80 Lacs
(18) T0088	Providing E/F work to Deposit work under District Bemetara (Zonal work)	19.50 Lacs
(19) T0089	Providing E/F work to Deposit work under District Kabirdham (Zonal work)	19.60 Lacs
(20) T0090	Providing E/F work to 33KV / 11KV / LT Line and X-mer DP Shifting under Division Durg	19.80 Lacs
(21) T0091	E/F work to Animal Feed Mash Milling Plant under RKVY Project and Renovation work to Lab room at DSVCKV Durg (Anjora) District Durg	12.28 Lacs

निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र मे उपलब्ध है। निविदा संबंधी अन्य शर्तें का अवलोकन संभागीय कार्यालय में किया जा सकता है।
टीप:- (1) सरल क्र.- 11 एवं 20 के लिए CSPDCL में पंजीयन होना अनिवार्य है।
(2) आबंटन प्राप्त होने पर ही देयक का भुगतान किया जायेंगा।

जी-03443/5

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग (वि./यां.) संभाग दुर्ग

खास-खबर

संबंध बनाने से मना किया तो पत्थर पटककर प्रेमिका की हत्या, तीन दिन बाद पकड़ाया आरोपी

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में हत्या का खौफनाक मामला सामने आया है। यहां के सीतापुर क्षेत्र में एक खंडहर से अर्धनग्न युवती का शव बरामद हुआ। इस मामले में पुलिस आरोपी को तीन दिन बाद गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने हैरान करने वाला खुलासा किया। दरअसल आरोपी मृतका का प्रेमी है और वारदात के दिन उसने युवती को खंडहर में मिलने बुलाया। खंडहर में संबंध बनाने से मना करने पर युवती के सिर पर ईंट पटककर हत्या कर फरार हो गया। मामला सीतापुर थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार पेटला निवासी 35 वर्षीय मनीषा पैकरा 17 जुलाई को घर से बाजार सामान लेने जाने के नाम पर निकली थी। फिर वह नहीं लौटी। परिजनों ने उसकी खोजबीन की, लेकिन उसका पता नहीं चला। 19 जुलाई को गांव के बाहर अस्पताल के पास पुराने खंडहर में लोगों ने मनीषा का शव अर्धनग्न अवस्था में देखा तो परिजनों को सूचना दी। इसके बाद पुलिस भी पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। उसके सिर पर गहरी चोट के निशान थे।

पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया। वहीं सिर पर भारी वस्तु के वार से हत्या की पुष्टि हुई। पुलिस ने जांच शुरू की तो पता चला कि युवती के पड़ोस में रहने वाला युवक अजय यादव उर्फ़ कोंदा (28) वारदात वाले दिन से गायब है। पुलिस ने उसे संदेही मानते हुए तलाश शुरू की। गुरुवार को पुलिस ने कोंदा को पकड़ लिया। पुलिस ने पूछताछ की तो उसने सारी सच्चाई बताई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर धारा 302 के तहत कार्रवाई कर जेल भेज दिया है।

खौफनाक हत्याकांड : पत्नी को अधमरा होने तक पीटा और मौत होने तक कमरे में रखा बंद

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। जिले के लेमरू थाना क्षेत्र के उपरोड़ा गांव में एक शख्स ने अपनी पत्नी की बेरहमी से हत्या कर दी। बेरहम पति ने पहले अपनी पत्नी को अधमरा होने तक पीटा और उसके बाद कमरे में बंद कर दिया। एक सप्ताह तक कमरे में बद रही महिला की तड़प-तड़पकर मौत हो गई।

मिली जानकारी के अनुसार उपरोड़ा गांव निवासी पूरन सिंह (45) की पत्नी विष्णु देवी (35) पर शक के कारण उसकी पिटाई करता। सप्ताह भर पहले विष्णु देवी जंगल गई। वापस आने में लेट होने के पर पूरन सिंह ने उसकी पिटाई की। इससे वह अधमरी हो गई। इसके बाद उसने अपनी पत्नी का इलाज कराने के बजाय उसे कमरे में बंद कर दिया। एक सप्ताह बाद बुधवार को उसकी मौत हो गई। इसके बाद पूरन सिंह थाने पहुंचा और पत्नी के पेड़ से गिरकर घायल होने और उसके बाद मौत होने की झूठी कहानी सुनाई। पुलिस को पूरनसिंह पर ही शक हुआ और पूछताछ की गई। पूछताछ में पूरन सिंह ने अपनी पत्नी की पिटाई से मौत होने की बात बताई।

डिग्री चुराकर बनी डॉक्टर, डेढ़ साल से प्राइवेट अस्पताल में कर रही थी मरीजों का इलाज

श्रीकंचनपथा न्यूज

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में फर्जी महिला डॉक्टर पुलिस की पकड़ में आई है। दूसरे की डिग्री चुराकर यह युवती प्राइवेट हॉस्पिटल में प्रैक्टिस कर रही थी। जिस डॉक्टर के नाम से वह अस्पताल में प्रैक्टिस कर रही थी उसे इसकी जानकारी हुई तो उसने इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने फर्जी डॉक्टर को गिरफ्तार कर लिया। मामला अंबिकापुर कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार अंबिकापुर स्थित होलीक्रास अस्पताल में डेढ़ साल से युवती डॉक्टर चोरी की डिग्री के सहारे प्रैक्टिस कर रही थी। दरअसल महिला यहां पर डॉ खुशबू के नाम पर प्रैक्टिस कर रही थी। जबकि डॉ खुशबू सरगुजा के लहपटरा स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सक के पद पर पदस्थ है। डॉ खुशबू को जब पता चला कि उसकी डिग्री चुराकर कोई प्राइवेट अस्पताल में प्रैक्टिस कर रही है। इसके बाद

उसने थाने में इसकी शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत में डॉ खुशबू ने बताया कि मार्च 2021 में वह रायपुर के एमएमआई हॉस्पिटल में चिकित्सक के पद पर ज्वाइन करने के लिए अपने संपूर्ण शैक्षणिक दस्तावेज और एमबीबीएस के सर्टिफिकेट के साथ गई थी। दस्तावेज परीक्षण के बाद वहां किसी ने उसके सारे दस्तावेज चुरा लिए थे। इस संबंध में खुशबू साह ने रायपुर के थाना टिकरापारा में मामला भी दर्ज कराया था। खुशबू साहू को 19 जुलाई को पता चला कि कोई उसके नाम पर अंबिकापुर के होलीक्रास हास्पिटल में मरीजों का इलाज कर रही है।

डॉ. खुशबू साहे की शिकायत पर पुलिस जांच के लिए अस्पताल पहुंच गई। वहां उन्होंने युवती को हिरासत में ले लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम वर्षा वानखेड़े (27) पत्नी रवि बोकडे निवासी तिलथा मोरेंगा थाना खरोरा रायपुर बताया। आरोपी युवती ने बताया कि वह करीब डेढ़ साल से डॉ. खुशबू के नाम पर होलीक्रास हॉस्पिटल में अपनी सेवाएं दे रही थी। इसके बाद पुलिस ने युवती को गिरफ्तार कर लिया है।

कोलकाता में पकड़ाए भिलाई के सटोरिए मोबाइल जांच से मिला था इनका लिंक

एक नाबालिग सहित 6 सटोरिए गिरफ्तार, लैपटाप व कई मोबाइल फोन जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग पुलिस द्वारा ऑनलाइन सट्टा ऐप महादेव बुक व रेड्डी अन्ना के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में पिछले दिनों पकड़ाए सटोरियों से भिलाई के अन्य युवकों का भी लिंक मिला। इस दौरान पुलिस को पता चला कि भिलाई के युवक कोलकाता से ऑनलाइन सट्टा का संचालन कर रहे हैं। सूचना के बाद पुरानी भिलाई थाना व एसीसीयू की संयुक्त टीम ने कोलकाता के रघुनाथपुर त्रिबेणी क्षेत्र से एक नाबालिग सहित 6 सटोरियों को गिरफ्तार किया है।

मिली जानकारी के अनुसार दुर्ग जिले में पुलिस द्वारा महादेव बुक आईडी ऐप के माध्यम से ऑन लाईन सट्टा का कारोबार करने वाले संदेहियों पर लगातार निगाह रखी जा रही थी। पूर्व में दुर्ग पुलिस द्वारा ऑनलाईन सट्टा कारोबारियों

के विरूद्ध कार्रवाई की गई। उक्त कार्यवाही के दौरान ऑन लाईन सट्टा महादेव एप्प से जुड़े अन्य व्यक्तियों के संबंध में साक्ष्य एकत्रित किया गया था। इसी कड़ी में एण्टी क्राईम एण्ड सायबर यूनिट व थाने की टीम को रघुनाथपुर त्रिबेणी कलकत्ता में भिलाई के व्यक्तियों द्वारा ऑन-लाईन सट्टा महादेव एप्प के संचालन की सूचना मिली।

सूचना मिलने पर पुलिस अधीक्षक दुर्ग शलभ सिन्हा के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड सायबर यूनिट प्रभारी निरीक्षक संतोष मिश्रा एवं थाना प्रभारी पुरानी भिलाई निरीक्षक मनीष शर्मा के नेतृत्व में विशेष टीम कोलकाता पहुंची। सूचना के आधार पर रघुनाथपुर त्रिबेणी के कलकत्ता में किराये के मकान में ऑन लाईन सट्टा ऐप रेड्डी अन्ना बुक नंबर 420 का संचालन कर रहे कैंप 2 भिलाई निवासी शशि कुमार, जवाहर नगर भिलाई निवासी दुर्गेश सिंह लोधी, कैंप 2 निवासी रोहित मौर्य, बलिया उत्तर प्रदेश निवासी धीरज तिवारी व कटिहार बिहार निवासी आनंद कुमार व एक नाबालिग को गिरफ्तार कर दुर्ग लाया गया।

आरोपियों के कब्जे से 1 लैपटाप, 15 मोबाइल, विभिन्न बैंकों के एटीएम कार्ड, चेकबुक, पासबुक एवं दस्तावेज जब्त किया गया। उक्त कार्रवाई में एण्टी क्राईम एवं सायबर यूनिट से प्रधान आरक्षक सत्येन्द्र मंढरिया, चंद्रशेखर बंजीर, आरक्षक नितिन सिंह, रिंकू सोनी, भावेश पटेल, विक्रान्त कुमार, राकेश चौधरी, गुणित कुमार, डी प्रकाश, जावेद हुसैन, अभय राय एवं थाना पुरानी भिलाई से सउनि गोरखनाथ चौधरी, आरक्षक अरविंद मेढ़े, दीपक मण्डावी की सराहनीय भूमिका रही।

गरियाबंद में पकड़ाए कन्नौज गैंग के गुर्गे, एटीएम में छेड़छाड़ कर निकाले थे 3 लाख से ज्यादा, दूसरी कोशिश में धरे गए

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में पुलिस ने एटीएम से छेड़छाड़ कर ठगी करने वाले कन्नौज गैंग के गुर्गों को गिरफ्तार किया है। गैंग के तीन आरोपियों को पुलिस ने पकड़ा है। आरोपियों ने कुछ दिन पहले सहकारी बैंक के एटीएम से छेड़छाड़ कर 3 लाख रुपए से ज्यादा की रकम निकाल ली थी। दूसरी बार भी इसी प्रकार का प्रयास कर रहे थे और पकड़ा गए। इस मामले में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित के शाखा प्रबंधक ने सिटी कोतवाली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित की गरियाबंद शाखा में लगे एटीएम से 22 और 23 जून को छेड़खानी की गई थी। छेड़छाड़ कर एटीएम से 3.46 लाख रुपए निकाल लिए गए। इस मामले में पुलिस को शिकायत मिली जो सायबर सेल की मदद से आरोपियों की तलाश की जा रही थी। इस बीच 19 जुलाई की शाम को एटीएम में घुसकर एक व्यक्ति धोखाधड़ी कर रुपये निकालने का प्रयास कर रहा था। इस बार उसकी सारी हरकत सीसीटीवी में कैद हो गई। पुलिस ने फुटेज के आधार पर शहर में नाकाबंदी कर आरोपी की तलाश शुरू की।

आरोपियों के पास से पुलिस को मिले 31 डेबिट कार्ड

जांच के दौरान पुलिस को बस स्टैंड के पास संदिग्ध दिखाई दिया। पुलिस ने उसे हिरासत में लिया और पूछताछ की। पूछताछ में उसने अपने दो अन्य साथियों के साथ मिलकर एटीएम से छेड़खानी कर रुपए निकालने की बात मानी। इसके बाद पुलिस अन्य दो आरोपियों को भी गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में कानपुर के केशी गांव निवासी गोविंद कुमार, कन्नौज के मौसमपुर मौरारा निवासी अभिषेक यादव और कन्नौज के ग्राम भड़हा निवासी राजेन्द्र सिंह शामिल है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 31 डेबिट कार्ड व 5200 रुपए नगद बरामद किए। आरोपियों ने गरियाबंद व राजिम में अलग अलग एटीएम से इस प्रकार राशि निकालने की बात बताई।

पुलिस की धमकी से परेशान युवक ने की खुदकुशी, थानेदार सस्पेंड

■ झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर युवक से मांगे थे 50 हजार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में पुलिस की धमकी से परेशान युवक द्वारा खुदकुशी किए जाने का मामला सामने आया है। युवक का अपनी भाभी से जमीन को लेकर विवाद हुआ और इसके बाद दोनों पक्षों की ओर से थाने शिकायत दर्ज कराई गई। आरोप है कि थाना प्रभारी ने युवक को झूठे केस में फंसाने की धमकी दी और बचने के लिए 50 हजार रुपए की मांग की। पुलिस की धमकी से परेशान युवक ने आत्महत्या कर लिया। युवक की आत्महत्या के बाद परिजनों ने सड़क पर शव रखकर प्रदर्शन किया। मामला संज्ञान में आते ही एसपी ने थाना प्रभारी को निलंबित कर दिया है।

मिली जानकारी के अनुसार बलंगी चौकी अंतर्गत ग्राम बेबदी निवासी राजकुमार यादव (30) ने आत्महत्या कर ली। युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। शव को जैसे ही परिजनों को सौंपने लाया गया तो सड़क पर ही उसे रोककर प्रदर्शन शुरू कर दिया गया। परिजनों ने आरोप लगाया कि राजकुमार को थानेदार परेशान कर रहा था। दरअसल राजकुमार का उसकी भाभी के साथ जमीन विवाद है। इस मामले में दोनों पक्षों ने पुलिस के पास शिकायत दर्ज कराई है।

चौकी प्रभारी की धमकी से डर गया था युवक

परिजनों का आरोप है कि चौकी प्रभारी अब्दुल मुनाफ ने राजकुमार को 50 हजार रुपए देने कहा। नहीं देने पर झूठे केस में फंसाकर जेल भेजने की धमकी दी। राजकुमार चौकी प्रभारी की घमकी से डर गया और यह बात परिजनों को भी बताई। राजकुमार यादव ने गांव के सरपंच के साथ ही अन्य लोगों से उधार में रुपये मांगे, लेकिन जब इंतजाम नहीं हुआ तो खुदकुशी कर ली। इधर प्रदर्शन की सूचना मिलने के बाद मौके पर वाड्रफनगर एसडीओपी अभिषेक झा पहुंचे और स्थिति को संभाला। मामले में जानकारी मिलने के बाद एसपी ने चौकी प्रभारी अब्दुल मुनाफ को निलंबित करने का निर्देश दिया।

ओडिशा से ला रहे थे गांजा, दो गिरफ्तार

भिलाई। छत्तीसगढ़ की क्राइम ब्रांच और दुर्ग पुलिस ने 50 किलो गांजे के साथ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी ओडिशा से गांजा लेकर झांसी जा रहे थे। वहां पर किसी अन्य व्यक्ति को इसे सौंपना था। इससे पहले ही पुलिस ने कार सहित गांजा पकड़ लिया। बरामद गांजे की कीमत करीब 17 लाख रुपये से ज्यादा बताई जा रही है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया है। मामला कुम्हारी थाना क्षेत्र का है। पुलिस को सूचना मिली थी कि छत्तीसगढ़ के रास्ते ओडिशा बलांगिर से गांजे की बड़ी खेप ले जाई जा रही है। इस पर कुम्हारी टोल प्लाजा के पास घेराबंदी कर गांजा तस्करों को पकड़ा।

तेज रफ्तार ट्रेलर की चपेट में आए दंपत्ति की मौत, बच्चों के सिर से उठा मां-बाप का साया

कोरबा। कटघोरा थाना अंतर्गत चंदनपुर के पास तेज रफ्तार ट्रेलर वाहन की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई। वहीं, व्यक्ति घायल हो गया।

मिली जानकारी के अनुसार, मलदा निवासी अहमद हसन (35) अपनी पत्नी गुलशन और सास गणेशी बाई के साथ बाइक पर सवार होकर मलदा से कटघोरा की तरफ जा रहे थे। सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में अहमद हसन की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, उसकी पत्नी गुलशन और सास गणेशी बाई गंभीर रूप से घायल हो गईं। राहगीरों की मदद से दोनों को कटघोरा उप स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टर ने गुलशन को मृत घोषित कर दिया। वहीं, गंभीर रूप से घायल गणेशी बाई की हालत को देखते हुए जिला मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। मौके पर पहुंची कटघोरा थाना पुलिस ने शव का पंचनामा करते हुए मृतक के परिजनों का बयान दर्ज किया है। अहमद हसन और गुलशन ने पांच साल पहले लव मैरिज की थी। उनके दो बच्चे भी हैं। इस मामले में ट्रेलर चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। हादसे में बाइक चला रहे चालक की मौत हो गई है। वहीं, उसकी पत्नी की इलाज के दौरान मौत हो गई। जबकि एक अन्य की हालत गंभीर है।

सूखे तालाब में दफन मिली युवती की लाश, जांच में जुटी पुलिस

■ पैर निकला देख ग्रामीणों ने दी पुलिस को सूचना

श्रीकंचनपथ न्यूज

अंबिकापुर। सरगुजा जिले के ग्राम भालूकछार में एक सूखे तालाब में युवती की दफ्न लाश मिली है। युवती की हत्या करने के बाद किसी ने सूखे तालाब में गड्ढा खोदकर शव दफ्न कर दिया है। गुरुवार को तालाब की ओर गए ग्रामीणों को पैर निकला हुआ दिखाई दिया, तो उन्होंने इसकी जानकारी पुलिस को दी। मामला दरिमा थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, ग्राम भालूकछार में गुरुवार को ग्रामीणों ने गांव के एक सूखे तालाब में जमीन में दफ्न शव को देखा। शव के सिर्फ पैर दिख रहे थे। यह खबर फैलते ही मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। ग्रामीणों ने मामले की जानकारी दरिमा पुलिस को दी।

सूचना मिलने पर एसडीओपी अखिलेश कौशिक पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और शव को ग्रामीणों की मदद से बाहर निकलवाया। आसपास के लोग युवती की लाश देखकर उसके बारे में कुछ भी नहीं बता सके। अज्ञात

युवती की शिनाख्त के लिए पुलिस ने विभिन्न थानों में उसकी फोटो भेज दी है। मुखबिरों को भी फैला दिया गया है। गुमशुदगी के मामले भी खंगाले जा रहे हैं। आसपास के गांवों में भी युवती की फोटो लेकर पूछताछ की जा रही है।

पुलिस ने एफएसएल की टीम बुलाकर मामले की जांच कराई। एसडीओपी ने बताया कि शव को देखने पर साफ लग है कि किसी ने युवती की गला दबाकर हत्या कर उसकी लाश को तालाब में गाड़ दिया है। उन्होंने कहा कि मृतका की पहचान और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। एसडीओपी अखिलेश कौशिक ने बताया कि युवती की लाश को देखने से लगता है कि घटना 6 से 7 दिन पहले की है। मृतका की उम्र करीब 22 से 25 वर्ष लग रही है। पुलिस मृतका के परिजन और आरोपी की तलाश में जुट गई है।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

विधायक अरुण वोरा के सोशल नेटवर्किंग पर शिकायत का निगम ने किया तत्काल निराकरण

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत मीनाक्षी नगर वार्ड 53 के नागरिको ने विधायक अरुण वोरा के सोशल नेटवर्किंग पर निवेदन शिकायत की सड़क पर अवैध रूप से बिल्डिंग मटेरियल को रखकर आवागमन रोक दिया गया है,जिंसमे हम नागरिको को आने जाने में परेशानियो का सामना करना पड़ रहा है। विधायक अरुण वोरा ने सोशल नेटवर्किंग पर शिकायतकर्ता से लोकेशन पूछकर आयुक्त लोकेश चन्द्राकर से चर्चा कर संज्ञान में लेने की बात कही,आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने निगम के भवन शाखा के अधिकारियों को निर्देशित में कहा कि सड़क बाधित क्षेत्र से भवन मटेरियल को हटवाए।जिस पर आज तत्काल सहायक भवन अधिकारी गिरीश दीवान,भवन निरीक्षक विनोद माझी समेत टीम ने जेसीबी की मदद से सड़क में रखें विल्ड़िंग मटेरियल को हटवाकर 5 सौ रुपये का जुर्माना लिया गया।कार्रवाही के दौरान अधिकारी ने कहा सड़क पर दोबारा बिल्डिंग मैटेरियल रखने वाले पर समान जब्त की कार्रवाही की जाएगी। साथ ही सड़क किनारे विल्ड़िंग मटेरियल रखने वालों को चिन्हित कर नोटिस जारी किया जाएगा,आदेश नही मानने वालों पर 1 दिन के भीतर सारा सामान उठाए जाने के निर्देश भी दिए हैं।

जिले में अब तक 296.1 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

दुर्ग। जिले में 1 जून से 19 जुलाई तक 296.1 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से अब तक सार्वाधिक वर्षा 435.4 मिमी पाटन तहसील में तथा न्यूनतम 147.0 मिमी. बोरी तहसील में दर्ज की गई है। इसके अलावा तहसील दुर्ग में 331.9 मिमी, तहसील धमधा में 245.5 मिमी, तहसील भिलाई 3 में 285.6 मिमी और तहसील अहिवारा में 331.1 मिमी वर्षा दर्ज की गई। 20 जुलाई को तहसील दुर्ग में 1.0 मिमी, तहसील धमधा में 18.2 मिमी, तहसील पाटन में 26.3 मिमी, तहसील बोरी में 6.5 मिमी, तहसील भिलाई 3 में 1.0 मिमी और तहसील अहिवारा में 3.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

प्रधानमंत्री आवास योजना सूची का प्रकाशन दावा आपत्ति आमंत्रित

दुर्ग। नगर निगम सीमा क्षेत्र में नवनिर्मित प्रधानमंत्री आवास योजना के घटक मोर मकान मोर आस अंतर्गत पात्र /अपात्र की सूची का प्रकाशन नगर निगम मुख्य कार्यालय एवं डाटा सेंटर स्थित प्रधानमंत्री आवास योजना शाखा में चस्पा किया गया है। इसे नगर निगम की वेबसाइट पर भी देखा जा सकता है। नगर निगम द्वारा गठित समिति द्वारा अनुशंसित राजस्व विभाग नगर निगम दुर्ग,टैक्स संग्रह एजेंसी स्पैरो तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के एमआईएस पोर्टल/सीएलएसएस डेटा से मिलान पश्चात पात्र/ अपात्र सूची आपत्ति दावा हेतु जारी की गई है। जिस किसी व्यक्ति संस्था अथवा समूह को किसी प्रकार की आपत्ति अथवा दावा हो तो दिनांक 4 अगस्त 2023 तक की अवधि में लिखित रूप से दावा आपत्ति किया जा सकता है। निर्धारित तिथि के उपरांत किसी भी प्रकार का दावा आपत्ति मान्य नहीं होगा।

मंत्री ताम्रध्वज के प्रयासों से दुर्ग ग्रामीण में बह रही है विकास की बयार

प्रथम अनुपुरक बजट में दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों के लिये किया गया है पर्याप्त प्रावधान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग ग्रामीण विधानसभा के विधायक और प्रदेश के गृह, जेल, लोक निर्माण, धर्मस्व, पर्यटन, कृषि कल्याण व् जैव प्रौद्योगिकी मंत्री ताम्रध्वज साहू के प्रयासों से मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा विधानसभा में प्रस्तुत वित्तीय वर्ष 2023-24 के प्रथम अनुपुरक बजट में दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों के लिये पर्याप्त प्रावधान किया है।

जिसमें क्रमश. स्वास्थ्य विभाग द्वारा ग्राम पंचायत नगपुरा प्राथ. स्वा. केन्द्र नगपुरा का 50 बिस्तर सिविल अस्पताल में उन्नयन। ग्राम पंचायत अंजोरा (ख) में प्राथ. स्वा. केन्द्र की स्थापना। स्कूल शिक्षा,करगाडीह प्राथ. शाला करगाडीह को पूर्व माध्य. शाला भवन में उन्नयन। ग्राम कोलिहापुरी शास. पूर्व माध्य. शाला कोलिहापुरी का हाई स्कूल में उन्नयन ।

शास. पूर्व माध्य. शाला गनियारी का हाई स्कूल में उन्नयन, ग्राम मोहलई में शास. पूर्व माध्य. शाला मोहलई का हाई स्कूल में उन्नयन। स्टेशन मरोदा हाई स्कूल स्टेशन मरोदा का हायर सेकेण्डरी स्कूल में उन्नयन ग्राम कुथरेल हाई स्कूल कुथरेल का हायर सेकेण्डरी स्कूल में उन्नयन। हाई स्कूल बिरेझर का हायर सेकेण्डरी स्कूल में उन्नयन। ग्राम हनोदा हाई स्कूल हनोदा का हायर सेकेण्डरी स्कूल में उन्नयन ,ग्राम अण्डा में स्कूल शिक्षा शास हायर सेकेण्डरी स्कूल अण्डा का स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम में परिवर्तन। शास. हायर सेकेण्डरी स्कूल तिरगा का स्वामी आत्मानंदउत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम में परिवर्तन,शास. हायर सेकेण्डरी स्कूल कातरो का स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम में परिवर्तन। शास. हायर सेकेण्डरी स्कूल पाऊवारा का स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम में परिवर्तन । शास. हायर सेकेण्डरी स्कूल पुरेना का स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम में परिवर्तन। अंजोरा ख शास. हायर सेकेण्डरी स्कूल अंजोरा (ख) का स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम में परिवर्तन। ग्राम नगपुरा में नवीन शासकीय महाविद्यालय पद सहित उच्च शिक्षा। उतई शास. महाविद्यालय उतई में अतिरिक्त कक्ष निर्माण। उच्च शिक्षा विभाग रसमड़ा आई.टी.आई भवन (08 पद स्वीकृत एवं भवन निर्माण मशीन / उकरण क्रय सहित) शामिल हैं।

बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण व टीकाकरण पर रखे विशेष ध्यान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में महिला बाल विकास विभाग के अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में विभाग के अंतर्गत संचालित आंगनबाड़ी केन्द्रों में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पदों के भर्ती के संबंध में जानकारी ली।

जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि कुल 1470 आंगनबाड़ी कार्यकर्ता कार्यरत हैं एवं सामुदायिक आधारित कुपोषण प्रबंधन कार्यक्रम के तहत 1460 आंगनबाड़ी कार्यकर्ता प्रशिक्षण दिया जा चुका है। कलेक्टर ने आंगनबाड़ी केन्द्र में बच्चों को दिए जाने वाले नाश्ता, गरम भोजन के संबंध में अधिकारियों से जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को बच्चों के सुपोषण एवं स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देते हुए कार्य करने को कहा। उन्हें पौष्टिक भोजन देने के साथ ही बच्चों के अभिभावकों को भी बच्चों के सुपोषण के संबंध में जागरूकता लाने को कहा। बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी विपिन जैन सहित सभी विकासखण्डों के परियोजना अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने बच्चों के स्वास्थ्य का परीक्षण कराने तथा समय पर टीकाकरण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने धमधा परियोजना के अंतर्गत स्वास्थ्य परीक्षण में लापरवाही किए जाने पर अधिकारी को फटकार लगाई और उन्हें शिविर लगाकर आंगनबाड़ी बच्चों का शीघ्र स्वास्थ्य परीक्षण कराने को कहा। उन्होंने कहा कि बच्चों का समय पर वजन कराते हुए उनके स्वास्थ्य एवं सुपोषण की मॉनिटरिंग करते रहें। आंगनबाड़ी केंद्रों के भवनों की जानकारी लेते हुए कहा कि जिन आंगनबाड़ी भवनों में मरम्मत की आवश्यकता है उसे शीघ्र मरम्मत कराएं। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि कुपोषित बच्चों की पहचान के लिए विभाग द्वारा अल्प वजन और अतिकुपोषित-कुपोषित (सैम-मैम) बच्चों का चिन्हांकन किया जा रहा है।

सड़क और हाईवे में बैठे गाय की हो व्यवस्था - जीव दया ग्रुप

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जीव दया ग्रुप ने नगर निगम और प्रशासन से अपील किया की आये दिन सड़को और हाईवे में सड़क हादसो का शिकार होते है। ग्रुप के सदस्य महेश पारख ने बताया मंगलवार रात्रि 11:30 गंजपारा में एक गाय को ट्रक ने ठोकर मार आस - पास के लोगो ने सूचना किया जीव दया ग्रुप के सदस्यों ने तत्काल डाक्टर को बुलाकर उपचार किया को सूचना करके तत्काल पहुँच कर आस-पास के सहयोगी के साथ मिलकर उपचार कराया गया और गाय प्रेग्नेंट होने और अत्यधिक चोटिल होने के कारण सही उपचार हेतु श्री कृष्ण गौ शाला छातागढ़ भेजा गया।

आस- पास के लोग और ग्रुप के सदस्य की मदद से उपचार कराया गया ।ग्रुप के सैसी हादसे रोकने हेतु निरंतर प्रयास गायो को रेडियम बेल्ट पहना रहे है । जिससे रेडियम बेल्ट दूर से आने वाली गाड़ियो की रोशनी से अलर्ट हो जाये। और दोनों सुरक्षित हो।

महापौर ने हितग्रहियों को सौंपी चाबी,दी शुभकामनाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना के घटक मोर मकान-मोर चिन्हारी के दो हितग्राहियों को उनके आबंटित आवास की चाबी आज फार्चून हाईट्स, पोटियाकला मे महापौर धीरज बाकलीवाल एवं एम.आई.सी. प्रभारियों द्वारा हितग्राही दंपत्ति को सौंपी गई।

महापौर द्वारा दोनो आबंटित आवासो का बारीकी से निरीक्षण किया गया तथा हितग्राहियों को मिठाई खिलाकर शुभकामनाए दी गई।

इस दौरान में एमआईसी दीपक साहू, संजय कोहले, हमीद खोखर, भोला महोबिया एम.आई.सी. प्रभारी, विद्युत एवं अग्नि शमन पार्षद विजेन्द्र भारद्वाज,खिलावन मटियारा, कुलेश्वर साहू एवं सुडा द्वारा पदस्थ विशेषज्ञ उपस्थित थे।आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के दिशा निर्देश पर नोडल अधिकारी दिनेश कुमार नेताम ने हितग्राही परिवारो से जल्द से जल्द पट्टा विलेख का निष्पादन हेतु तथा अन्य सभी आबंटित परिवारो से अनुरोध किया है कि शासन के निर्देशानुसार हितग्राही अंशदान की संपूर्ण राशि 07 दिवस की अवधि में अनिवार्य रूप से डाटा सेंटर में जमा करते हुए, आबंटित आवास का आधिपत्य (चाबी प्राप्त कर लेवें) । फार्चून हाईट्स, पोटियाकला में जिन हितग्राहियों को लॉटरी के माध्यम से आवास आबंटन किया जा चुका है और उन्होने हितग्राही अंशदान की संपूर्ण राशि जमा नही की है उन्हें व्यक्तिगत पत्र के माध्यम से अंतिम अवसर प्रदान किया जा चुका है। 31 जुलाई तक यदि शेष हितग्राही अंशदान की राशि जमा नहीं करते है तो उनका आबंटन निरस्त करते हुए अन्य पात्र आवेदको को नियमानुसार आवास आबंटन किया जायेगा।

सहायक नोडल अधिकारी जितेन्द्र समैया ने लॉटरी के माध्यम से आबंटित समस्त हितग्राही परिवारो से आग्रह किया है कि डाटा सेंटर प्रधानमंत्री आवास योजना कार्यालय से अपना-अपना आबंटन पत्र अनिवार्य रूप से प्राप्त कर लेवे जिनसे उन्हें लोन लेने में आसानी होगी।

सर्वोत्तम गुणों के समूह थे डॉ. खूबचंद बघेलः मनु

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई । पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी सृजन पीठ भिलाई नगर में छत्तीसगढ़ के प्रखर किसान नेता ,स्वतंत्रता संग्राम सेनानी ,साहित्यकार और विधायक तथा राज्य सभा सांसद रहे स्वर्गीय डॉ . खूबचंद बघेल की जयंती के उपलक्ष्य में विचार -गोष्ठी आयोजित की गयी। सृजन पीठ द्वारा उनकी जयंती 'स्मृति डॉ. खूबचंद बघेल ' के नाम से मनायी गयी।

इस अवसर पर विचार -गोष्ठी में मुख्य अतिथि साहित्यकार इंदुशंकर मनु ने कहा कि डॉक्टर बघेल अपने अध्ययन काल में ही राष्ट्रीय नेताओं के संपर्क में आ गए थे। सहज ,सरल स्वभाव के धनी डॉ. बघेल राजनीति में शुचिता के पक्षधर थे। श्री मनु ने कहा कि पंडित नेहरू ने ही डॉ. बघेल को 'छत्तीसगढ़ का जवाहर ' कहकर सम्मानित किया था। सर्वोत्तम गुणों के समूह डॉक्टर बघेल ने अछूतोद्धार एवं अन्य सामाजिक विषयों पर नाटक भी लिखें और उनका मंचन भी करवाया, जिसका उन दिनों समाज पर बहुत अच्छा प्रभाव पड़ा। विशिष्ट अतिथि साहित्यकार प्रदीप वर्मा ने कहा कि डॉक्टर बघेल राजनीतिज्ञ और समाजसेवी होने के साथ ही एक सफल चिकित्सक और कृषक भी थे। वह एक चिंतनशील लेखक और समाज सुधारक भी थे। छत्तीसगढ़ में किसबिन प्रथा का अंत कराने में उनकी मुख्य भूमिका थी।। विशिष्ट अतिथि डॉ.निर्मला परगनिहा ने कहा कि डॉक्टर बघेल ही थे ; जिन्होंने कृषि को उद्योग का दर्जा प्रदान किए जाने की पहल की थी। वह एक सच्चे समाजसेवी ; संपन्न कृषक होने के साथ ही स्वीकृत जननेता थे। उन्होंने छत्तीसगढ़ शासन की ओर से डॉ.बघेल के नाम पर राज्य अलंकरण दिए जाने को उद्देश्यपरक निरूपित किया। उन्होंने डॉक्टर बघेल के जन्मदिवस पर काव्यांजलि भी दी।

आरंभ में सृजनपीठ के अध्यक्ष ललित कुमार ने आयोजकीय वक्तव्य देते हुए कहा कि डॉ. बघेल खूबचंद बघेल को याद करना अपनी जमीन को याद करने की तरह है। उन्होंने डॉ बघेल द्वारा गठित छत्तीसगढ़ भ्रातृ संघ तथा छत्तीसगढ़ महासभा की चर्चा की और बताया कि संगठित समाज के माध्यम से समस्याओं का समाधान कैसे किया जा सकता है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 1196 हितग्राहियों को हो चुका है आवास आबंटन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 1196 हितग्राहियों को आवास का आवंटन किया जा चुका है। अलग-अलग स्थानों में हितग्राहियों को आवास मिला है।

मोर मकान मोर चिन्हारी के तहत 505 आवास तथा मोर मकान मोर आस के तहत 691 आवास आवंटित किया गया है। मोर मकान मोर चिन्हारी के तहत माइलस्टोन स्कूल के पास 109, ग्रीन वैली खमरिया में 68, सूर्या विहार के पीछे 102 तथा आम्रपाली फेस हाउसिंग बोर्ड में 226 तथा मोर मकान मोर आस के तहत माइलस्टोन के पास 92, ग्रीन वैली खमरिया में 27, सूर्या विहार के पीछे 185, सूर्या विहार के पीछे खमरिया 230, अविनाश मेट्रोपोलिस 41, के ई सी के पीछे खमरिया में 12, एनआर स्टेट खमरिया भिलाई में 56, आम्रपाली फेस टू में 38 आवास आवंटित किए गए हैं।

गौरतलब है कि महापौर नीरज पाल एवं निगम आयुक्त रोहित व्यास के निर्देश पर आवास आवंटन की प्रक्रिया तेज गति से की जा रही है। हितग्राहियों को आवास आवंटित करने के लिए लगातार कार्यवाही की जा रही है ताकि हितग्राहियों को खुद का आवास मिल सके।

अवैध निर्माण पर निगम की बड़ी कार्रवाई 11 आवासों के अतिरिक्त निर्माण को तोड़ा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा अवैध निर्माण पर बड़ी कार्रवाई की गई। निगम की टीम द्वारा यह कार्रवाई कुरुद क्षेत्र में की गई है। कुरूद नकटा तालाब के समीप 11 निर्माणाधीन मकान बिना अनुमति के बनाए जा रहे थे। सूचना मिलने पर निगम की टीम दलबल के साथ पहुंची। पुलिस की मौजूदगी में अवैध निर्माण को तोड़ा गया। इस दौरान अवैध निर्माणकर्ता व निगम की टीम के बीच तीखी बहस भी होती रही।

बता दें इस क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग को लेकर भिलाई निगम ने पहले भी कार्रवाई की थी। यहां का खसरा भी बैन किया हुआ है। बावजूद इसके बिना अनुमति घरों का निर्माण किया जा रहा था। जिसको देखते हुए भिलाई निगम की टीम दल, बल के साथ कुरूद पहुंची। एक-एक करके निर्माणाधीन घरों में कार्रवाई करना निगम ने प्रारंभ किया, किसी के बाउंड्री वॉल तोड़े तो, किसी के अन्य निर्माणों को निगम ने क्षतिग्रस्त कर दिया। दिनभर भिलाई निगम ने तोड़ू दस्ते के साथ मिलकर कार्रवाई को अंजाम दिया।

इसके साथ ही दो ट्रिप मुरूम, दो ट्रिप गिट्टी, दो ट्रिप ईट एवं दो ट्रिप रेत भी जब्त किया। भिलाई निगम की टीम एक जेसीबी तथा दो डंपर के साथ मौके पर पहुंची थी। किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति को देखते हुए पुलिस बल की मौजूदगी में निगम ने अवैध निर्माण के विरुद्ध कार्रवाई की। निगम आयुक्त रोहित व्यास ने अवैध निर्माण, अवैध प्लाटिंग, अवैध कब्जा तथा अनधिकृत निर्माण पर कार्रवाई करने के सख्त निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। इसी कड़ी में निगम क्षेत्र में अवैध निर्माण पर कार्रवाई की गई। आज की कार्रवाई के दौरान अतिरिक्त तहसीलदार गुरुदत्त पंचभई, जोन आयुक्त जोन क्रमांक 2 येशा लहरें, उप अभियंता सिद्धार्थ साहू, शाहबाज अहमद तथा सहायक राजस्व अधिकारी जगदीश प्रसाद तिवारी आदि मौजूद रहे।

खुद की जमीन छोड़ सरकारी जमीन पर बन रहा था मकान, निगम ने तोड़ा

रिसाली। नगर निगम की टीम ने प्रगतिनगर वार्ड 23 में निगम की जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। दरअसल वामिनि देवेन्द्र जोशी खाली भूमि को अपना बताकर उस पर निर्माण कार्य शुरू की थी। जांच में निर्माण स्थल निगम के क्षेत्राधिकार का होना पाया गया। बता दें आसपास के लोगो ने निगम आयुक्त आशीष देवांगन से शिकायत की थी कि वामिनि जोशी नाम की महिला स्वयं की जमीन को सुरक्षित रख खाली जमीन पर मकान निर्माण कर रही है। शिकायत मिलते ही निगम के राजस्व विभाग प्रभारी संजय वर्मा ने जांच पूर्ण होने तक निर्माण कार्य बंद करने नोटिस जारी किया था। पटवारी प्रतिवेदन में स्पष्ट हुआ कि जमीन आयुक्त नगर पालिक निगम रिसाली के नाम पर है। सीमांकन रिपोर्ट मिलते ही निगम का अमला प्रगतिनगर पहुंचकर अतिक्रमण को हटाया।

नागरिकों से सीधी मुलाकात

गंदगी देख महापौर ने सुपरवाइजरों की ली क्लास, सुविधा उपलब्ध कराने दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। रिसाली महापौर शशि सिन्हा क्षेत्र का जायजा लेने भ्रमण की। नागरिकों से सीधी बात की। दशहरा मैदान रिसाली में गंदगी देख जन स्वास्थ्य विभाग के सुपरवाइजरों की क्लास लेते अपनी उपस्थिति में सफाई कार्य शुरू कराया। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस के महामंत्री जितेन्द्र साहू भी उपस्थित थे।

महापौर शशि सिन्हा ने गुरूवार की अल सुबह रिसाली सेक्टर टाउनशिप का भ्रमण की। इस दौरान उन्होंने नागरिकों से सीधी बात की। आवश्यकताओं और समस्याओं के बारे में चर्चा की। महापौर शशि सिन्हा ने भ्रमण के दौरान रिसाली बड़ा दशहरा मैदान पहुंची। यहां गंदगी का आलम देख उन्होंने मौके पर जन स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम को बुलाकर फटकार लगाते बिना देरी किए सफाई कार्य शुरू कराया। इस दौरान पार्षद जमुना ठाकुर के अलावा दशहरा खेल मैदान समिति के पदाधिकारी उपस्थित थे।

पॉथवे का होगा शीघ्र मरम्मत

नागरिकों ने जानकारी दी कि खेल मैदान व योगा अभ्यास करने के स्थल पर पॉथवे का निर्माण किया गया। वर्तमान में पॉथवे का पेवर ब्लॉक उखड़ गया है। महापौर ने निगम अधिकारियों को निर्देश दिए कि शीघ्र ही पॉथवे को मरम्मत कराने प्रस्ताव तैयार करे। महापौर ने नागरिकों को आश्वस्त किया कि वे शीघ्र ही खेल मैदान को संवारने प्रयास करेंगी।

टाउनशिप में पानी निकासी संसाधन ध्वस्त

महापौर शशि सिन्हा ने वार्ड 8, 9 व 10 रिसाली सेक्टर टाउनशिप की सफाई व्यवस्था और पानी निकासी संसाधन का निरीक्षण की। टाउनशिप में रहने वाले नागरिकों को महापौर ने आश्वासन दिया की यहां की समस्याओं के लिए वे जल्द ही बीएसपी प्रबंधन से मुलाकात करेंगी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950